वर्ष : 34 | अंक : 280 | मुंबई, बुधवार, 17 दिसंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे साथ-साथ, मराठी अस्मिता की बात

19 साल बाद मनोमिलन

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र के 29 नगर निगम चुनाव के ऐलान के साथ ही सियासी हलचल बढ़ गई है. शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे अपना आखिरी सियासी किला बीएमसी को बचाए रखने की कवायद में जुट गए हैं, जिसके लिए मराठी अस्मिता का दांव चलने से लेकर अपने भाई राज ठाकरे के साथ सियासी केमिस्ट्री बनाने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है. शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने मंगलवार को बीजेपी पर निशाना साधते हुए मराठी अस्मिता का दांव चला. उन्होंने साफ-साफ शब्दों में कह दिया है कि बीएमसी का चुनाव मराठी अस्मिता को बचाए रखने का चुनाव है, जिसके लिए सभी मराठी मानुष को साथ आना चाहिए।

- बीएमसी का दुर्ग बचाने जुट गई उद्धव सेना
- 2017 के चुनाव में शिवसेना और भाजपा में महज दो सीटों का था फासला, भाजपा बनी थी पहरेदार
- संजय राउत ने बीजेपी पर सीधा निशाना साधा

मराठी अस्मिता पर दांव

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीएमसी चुनाव को मराठी अस्मिता से जोड़ते हुए बीजेपी पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव मराठी मानुष की पहचान और सम्मान को बचाने का चुनाव है, जिसमें सभी मराठियों को एकजुट होना चाहिए। राउत ने दो टूक कहा कि हम बलिदान देंगे, लेकिन मुंबई को अमित शाह के हाथों में नहीं जाने देंगे।

राज ठाकरे से मुलाकात

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद संजय राउत सीधे मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बंगले 'शिवतीर्थ' पहुंचे, जहां दोनों नेताओं के बीच अहम बातचीत हुई। माना जा रहा है कि इस दौरान शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के बीच सीट शेयरिंग को लेकर अंतिम दौर का मंथन किया गया। राउत ने साफ किया कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे नगर निगम चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे, जबकि मुंबई, ठाणे, कल्याण, पुणे, नासिक और अन्य शहरों में स्थानीय नेतृत्व अंतिम फैसला करेगा।

बीएमसी बचाने के लिए ठाकरे बंधुओं की एकजुटता

1996 से बीएमसी पर शिवसेना का कब्जा रहा है, जिसे बचाए रखने के लिए ठाकरे बंधुओं ने पुराने मतभेद भुलाकर साथ आने का फैसला किया है। कांग्रेस के मनसे के साथ गठबंधन पर असहज होने के बावजूद उद्धव ठाकरे ने यह कदम उठाया है। संजय राउत ने भी संकेत दिए कि इस चुनाव में मराठी वोटों का बिखराव रोकना सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

कांग्रेस और शरद पवार को सियासी संदेश

संजय राउत ने महाविकास आघाड़ी के सहयोगियों कांग्रेस और शरद पवार को भी स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस अलग-अलग चुनाव लड़ती है तो इसका सीधा फायदा बीजेपी को होगा। राउत ने बताया कि शरद पवार के साथ सीट शेयरिंग पर वे खुद बातचीत करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों को देखते हुए सभी विपक्षी दलों को एकजुट होकर रणनीति बनानी होगी।

भाजपा के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई

ठाकरे भाइयों के साथ आने से भाजपा और शिवसेना (शिंदे) की राह आसान नहीं होगी। प्रदेश में पिछले 11 वर्षों से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है और 2014 तथा 2022 से भाजपा सत्ता में बनी हुई है। ऐसे में भाजपा किसी भी कीमत पर मुंबई मनपा जीतना चाहती है। यह चुनाव भाजपा के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है।

कांग्रेस और अन्य दलों की राह

पूर्व मंत्री नवाब मलिक के मुद्दे को लेकर भाजपा के विरोध के चलते राकांपा (अजित) सत्तारूढ़ होने के बावजूद अलग-थलग नजर आ रही है। मुंबई कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। महाविकास आघाड़ी की घटक होने के बावजूद शिवसेना (उद्धव) और मनसे के गठबंधन से कांग्रेस असहज है। वहीं समाजवादी पार्टी ने भी 'एकला चलो' की नीति अपनाई है। कई छोटे दलों की एंट्री से मुकाबला और दिलचस्प हो गया है।

साल 2017 मुंबई मनपा चुनाव के परिणाम

दल जीते वोट प्रतिशत

- शिवसेना (अविभाजित)- 84 28.29 %
- भाजपा- 82 27.32 %
- कांग्रेस- 31 15.94 %
- राकांपा (अविभाजित) 9 4.91 %
- मनसे- 7 7.73 %
- निर्दलीय- 5 6.02 %
- छोटे दल -9 6.98 %
- बसपा -0 0.93 %
- सीपीआई- 0 0.06 %
- सीपीआईएम- 0 0.09 %
- नोटा - 1.72 %
- कुल 227 100 %

शिवसेना (अविभाजित) और भाजपा में हुई थी सीधी टक्कर

साल 2017 में शिवसेना (अविभाजित) और भाजपा के बीच सीधी टक्कर हुई थी। तब शिवसेना को 28 .29 प्रतिशत वोट और 84 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 27 .32 प्रतिशत वोट और 82 सीटें मिली थीं। केवल दो सीटों के अंतर के बावजूद भाजपा ने सत्ता में शामिल होने के बजाय विपक्ष की भूमिका निभाई थी। बाद में शिवसेना ने मनसे के 7 में से 6 नगरसेवकों को तोड़ लिया था। अब शिवसेना में विभाजन के बाद 54 पूर्व नगरसेवक शिंदे गुट में जा चुके हैं।

नेशनल हेराल्ड केस

सोनिया-राहुल को राहत

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी और 5 अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ED) की चार्जशीट पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। ED ने कहा है कि वह इस आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में दाखिल चार्जशीट एक व्यक्ति की निजी शिकायत से जुड़ी है, न कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत अनुसूचित अपराध से जुड़े FIR पर। ऐसे में इस पर सुनवाई करना संभव नहीं है। नेशनल हेराल्ड मामला BJP नेता सुब्रमण्यम स्वामी की एक शिकायत से जुड़ा है। स्वामी ने सोनिया, राहुल और अन्य कांग्रेस नेताओं पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) कंपनी की 2,000 करोड़ की संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया है। इस मामले में सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडियन, डोटेक्स मर्चेंडाइज और सुनील भंडारी भी आरोपी हैं।

राहुल-सोनिया को FIR की कॉपी देने का आदेश रद्द

इसी मामले में, राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की एक दलील स्वीकार करते हुए राहुल और सोनिया को FIR की कॉपी देने का मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश रद्द कर दिया। दिल्ली पुलिस ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए कहा था कि आरोपी FIR की कॉपी पाने के हकदार नहीं हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को सिर्फ FIR दर्ज होने की जानकारी दी जा सकती है। दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले में 3 अक्टूबर को ED की शिकायत पर राहुल-सोनिया गांधी के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडियन, डोटेक्स मर्चेंडाइज, इसके प्रमोटर सुनील भंडारी, AJL और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की थी। ये सभी ED की अप्रैल में दाखिल चार्जशीट में भी आरोपी हैं। दिल्ली पुलिस की FIR में आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने पद का दुरुपयोग कर निजी लाभ लिया। FIR में आपराधिक साजिश, बेईमानी से संपत्ति का दुरुपयोग, आपराधिक विश्वासघात और धोखाधड़ी जैसी धाराएं लगाई गई हैं।

- दिल्ली कोर्ट ने ईडी की शिकायत खारिज की
- मामला एफआईआर नहीं, बल्कि निजी आरोप से जुड़ा : कोर्ट

ED दोबारा चार्जशीट दाखिल करेगी

ED ने इस मामले में दोबारा चार्जशीट दाखिल करने की बात कही है। ED सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट ने यह फैसला तकनीकी आधार पर दिया है। उसने मामले के मैरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने इस मामले में नई FIR दर्ज कर ली है।

सत्य की जीत : कांग्रेस

कांग्रेस ने कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सत्य की विजय हुई है। मोदी सरकार की दुर्भावना और गैरकानूनी गतिविधियों का पर्दाफाश हो गया है। कांग्रेस सच और नागरिकों के अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी और किसी भी तरह के दबाव से पीछे नहीं हटेगी। पार्टी ने आगे कहा- कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि न तो मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला बनता है, न अपराध से अर्जित धन (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) का कोई सबूत है और न ही संपत्ति के किसी लेन-देन का प्रमाण। ये आरोप निराधार थे, जिन्हें राजनीतिक दबाव, बदनाम करने की कोशिश और प्रचार अभियान के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

क्या है नेशनल हेराल्ड केस?

BJP नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया, राहुल और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था। आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑर्गेनाइजेशन नाम की संस्था बनाई, जिसकी अधिकतर हिस्सेदारी गांधी परिवार के पास है। यंग इंडियन के जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली AJL का अवैध अधिग्रहण कर लिया।स्वामी का आरोप था कि ये सब दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया था। आरोप है मुताबिक, 2000 करोड़ की कंपनी को केवल 50 लाख में खरीदा गया। सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल समेत केस से जुड़े कांग्रेस के अन्य नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की थी।

लोकसभा में उठी मुंबई में एम्स स्थापना की मांग

एजेंसी | मुंबई/नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को मुंबई में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना की जोरदार मांग उठी। शिवसेना (शिंदे) के सांसद रविंद्र वायकर ने कहा कि मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) की बढ़ती आबादी को देखते हुए यहां एक नए एम्स की आवश्यकता है।

ऑन्कोलॉजी और कैंसर रिसर्च पर केंद्रित एम्स

वायकर ने वित्त वर्ष 2025-26 की 'पूरक अनुदान मांगों' पर चर्चा करते हुए कहा कि यह नया एम्स विशेष रूप से 'ऑन्कोलॉजी और कैंसर रिसर्च' का 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बने। इससे न केवल टाटा अस्पताल का बोझ कम होगा, बल्कि मुंबई के मध्यम और गरीब वर्ग को भी विश्वस्तरीय इलाज मुफ्त में मिल सकेगा। सांसद ने इसे 'आयुष्मान भारत' के सपने को मुंबई में साकार करने का अवसर बताया।

टाटा अस्पताल पर बढ़ता दबाव

रविंद्र वायकर ने कहा कि मुंबई को देश की 'मेडिकल राजधानी' माना जाता है, लेकिन टाटा मेमोरियल अस्पताल मरीजों के भारी दबाव से जूझ रहा है। परेल स्थित अस्पताल के बाहर की सड़कें मरीजों और उनके परिजनों से भरी रहती हैं, जो देश के विभिन्न हिस्सों से आए कैंसर रोगियों को समायोजित करने में असमर्थ हैं।

सुलभ और विश्वस्तरीय इलाज की जरूरत

सांसद ने जोर देकर कहा कि सरकार का उद्देश्य 'सुलभ कैंसर उपचार' है, लेकिन मुंबई जैसे महानगर में केवल एक प्रमुख कैंसर संस्थान पर्याप्त नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मांग पर गंभीरता से विचार करेगी। वायकर के अनुसार, नया एम्स न केवल मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगा, बल्कि शहर के मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूती देगा और टाटा अस्पताल पर दबाव कम करेगा, जिससे पूरे शहर के स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार होगा।

'ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन भारत हारा'

- कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण का विवादित दावा
- 7 मई की झड़प में हमारा एक भी विमान नहीं उड़ा, उड़ता तो पाकिस्तान मार गिराता : चव्हाण

एजेंसी | पुणे

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था, जिसमें पाकिस्तान के आतंकियों के ठिकानों को तबाह कर दिया गया था। इस ऑपरेशन पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन भारतीय वायुसेना पूरी तरह हार गई थी। उन्होंने कहा, '7 तारीख को आधे घंटे तक जो हवाई लड़ाई हुई, उसमें हम पूरी तरह हार गए, चाहे लोग इसे मानें या न मानें।' चव्हाण ने आगे कहा, 'भारतीय विमानों को मार गिराया गया।

सेना की मूवमेंट पर सवाल

पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए चव्हाण ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना की मूवमेंट को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, रहमने देखा कि सेना की एक किलोमीटर भी मूवमेंट नहीं हुई। दो या तीन दिनों में जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ हवाई और मिसाइल युद्ध था। भविष्य में भी युद्ध इसी तरह लड़े जाएंगे। ऐसे में क्या हमें सच में 12 लाख सैनिकों की सेना बनाए रखने की जरूरत है, या हम उनसे कुछ और काम करवा सकते हैं?

लोकसभा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया 'VB-जी राम जी' बिल पेश

मनरेगा का नाम बदलने पर सियासत तेज, 17 दिसंबर को देशभर में विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (VB-जी राम जी) बिल, 2025' पेश किया। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि हम इस बिल का विरोध करते हैं। हर योजना का नाम बदलने की सनक समझ नहीं आती है। बिना चर्चा के बिना सलाह लिए विधेयक को पास न करें। इसे वापस लें। नया विधेयक पेश करें। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी मेरे परिवार के नहीं, मेरे परिवार जैसे ही हैं। पूरे देश की यही भावना है। कम से कम स्थायी समिति के पास इस बिल को भेंजे। कोई विधेयक

किसी की निजी महत्वकांक्षा, सनक और पूर्वाग्रहों के आधार पेश नहीं होना चाहिए। और ना ही पास होना चाहिए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी 'VB- जी राम जी' बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी का नाम बदलना सही नहीं है। महात्मा गांधी का नाम राज्य का विजन पॉलिटिकल नहीं सामाजिक विकास का था। उनका नाम ही हटाना गलत है। राम का नाम बदनाम ना करो।

VB-जी राम जी बिल मनरेगा स्कीम को रिप्लेस करेगा

VB-जी राम जी बिल पास हो जाता है तो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (MGNREGA) को रिप्लेस करेगा। नए बिल में कहा गया है कि इसका उद्देश्य 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार करना है। काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी।

विरोध-प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

कांग्रेस ने केंद्र सरकार के नए ग्रामीण रोजगार कानून वीबी-जी राम जी के खिलाफ बुधवार को देशभर में विरोध प्रदर्शन करने का एलान किया है। पार्टी का आरोप है कि यह विधेयक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को खत्म करने की साजिश है और इससे गरीबों का अधिकार छीना जाएगा। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सभी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि बुधवार को हर जिले के मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि इन प्रदर्शनों में महात्मा गांधी की तस्वीरें जरूर रखी जाएं, ताकि गांधीजी के नाम और मूल्यों को मिटाने के प्रयास के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया जा सके।

सरकारी आवास घोटाला मामला

क्रीड़ा मंत्री माणिकराव को नहीं मिली राहत

नासिक सत्र न्यायालय ने दो साल की सजा और दस हजार के जुर्माने की सजा कायम रखी

मुंबई/नासिक। महाराष्ट्र के क्रीड़ा मंत्री माणिकराव कोकाटे को सरकारी आवास घोटाले के मामले में नासिक सत्र न्यायालय से मंगलवार को कोई राहत नहीं मिली। सत्र न्यायालय के जज पीएम बदर ने मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा सुनाई गई दो साल की सजा और 10 हजार रुपये के जुर्माने को बरकरार रखा है। नासिक की एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट रूपाली नरवाडिया द्वारा सुनाए गए आदेश को चुनौती देते हुए मंत्री कोकाटे ने सत्र न्यायालय में अपील दाखिल की थी। हालांकि, सत्र न्यायालय ने इस अपील को खारिज करते हुए न सिर्फ सजा को कायम रखा, बल्कि उसे तुरंत लागू करने के आदेश भी दिए। माणिकराव कोकाटे पर आरोप है कि उन्होंने वर्ष 1995 में मुख्यमंत्री कोटे से चार सरकारी आवास दस्तावेजों में हेराफेरी और धोखाधड़ी कर हासिल किए। इस मामले में पूर्व मंत्री तुकाराम दिघोले ने 1997 में नासिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में याचिका दाखिल की थी।

समर सिंह चौहान हत्याकांड

मास्टरमाइंड सुभाष सिंह ठाकुर सात दिन की पुलिस हिरासत में

डीबीडी संवाददाता । विरार

विरार के चर्चित बिल्डर समर सिंह चौहान हत्याकांड में गिरफ्तार मुख्य साजिशकर्ता और कुख्यात माफिया डॉन सुभाष सिंह ठाकुर को मकोका कोर्ट ने सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

गिरफ्तारी से खुल सकते हैं कई राज

मकोका कोर्ट के विशेष सरकारी वकील संजय मोरे ने पत्रकारों को बताया कि सुभाष सिंह ठाकुर की गिरफ्तारी से इस हत्याकांड से जुड़े कई दबे हुए राज सामने आने की संभावना है।

इलाज के कारण टलती रही गिरफ्तारी

बताया गया कि सुभाष सिंह ठाकुर वर्ष 2019 से बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सर सुंदरलाल अस्पताल में मेडिकल उपचार के लिए भर्ती था। इसी कारण वह लंबे समय तक पुलिस हिरासत से बाहर रहा। वर्ष 2024 में उसे दोबारा फतेहगढ़ सेंट्रल जेल भेजा गया, जिसके बाद एमबीवीवी पुलिस ने चौहान हत्याकांड में उसकी हिरासत पाने के लिए कानूनी प्रक्रिया तेज की।

मकोका के तहत दर्ज है मामला

गौरतलब है कि वर्ष 2022 में विरार के बिल्डर समर सिंह चौहान की हत्या के मामले में पुलिस ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत प्रकरण दर्ज किया था। अब तक इस मामले में कुल 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें से दो आरोपियों को मकोका कोर्ट ने बरी कर दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुभाष सिंह ठाकुर की हिरासत पाने के लिए एमबीवीवी पुलिस लंबे समय से प्रयासरत थी। आखिरकार क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिला कारागार से उसे हिरासत में लेकर 16 दिसंबर को ठाणे स्थित मकोका कोर्ट में पेश किया।

25 साल बाद एमबीवीवी पुलिस को मिली सफलता

पुलिस विभाग से फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वर्ष 2001 के बाद सुभाष सिंह ठाकुर किसी अन्य आपराधिक मामले में गिरफ्तार हुआ था या नहीं। हालांकि, पिछले 25 वर्षों में यह पहली बार है जब महाराष्ट्र पुलिस की एमबीवीवी इकाई उसे अपनी हिरासत में लेने में सफल हुई। कड़ी सुरक्षा के बीच 15 दिसंबर की देर रात उसे काशीमीरा पुलिस थाने लाया गया। मीरा-भायंदर शहर में चुनावी माहौल के बीच कुख्यात डॉन की गिरफ्तारी की खबर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

मकोका: डकैती मामले के नौ आरोपी बरी

कोर्ट ने अभियोजन के सबूतों को ठुकराया

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे की एक अदालत ने 2016 में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज डकैती मामले में नौ आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में विफल रहा और मकोका की धारा 2(1)(ई) में परिभाषित अपराध आरोपियों के खिलाफ साबित नहीं हुआ। विशेष न्यायाधीश (मकोका मामले) वी.जी. मोहिते ने 12 दिसंबर को अपने आदेश में स्पष्ट किया कि केवल पिछले आरोपपत्र की प्रतियां एकत्र करना और अधिनियम की धारा 23(2) के तहत स्वीकृति आदेश का हवाला देना मकोका की धारा 3 के तहत अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

अदालत ने सबूतों को अविश्वसनीय माना

अदालत ने अभियोजन द्वारा पेश किए गए सबूतों को अविश्वसनीय और कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण पाया। विशेष रूप से आरोपियों की पहचान और लूटी गई संपत्ति की बरामदगी पर्याप्त ठोस प्रमाण नहीं मानी गई। न्यायाधीश मोहिते ने कहा कि आरोपों को साबित करने के लिए कड़े और विश्वसनीय सबूत होना आवश्यक है, जिसे अभियोजन इस मामले में प्रस्तुत नहीं कर पाया। इस आदेश के बाद नौ आरोपियों को मकोका के तहत दर्ज गंभीर मामले से राहत मिली है। अदालत का यह निर्णय महाराष्ट्र में मकोका के तहत दर्ज मामलों में सबूत की वैधता और अभियोजन की जिम्मेदारी पर महत्वपूर्ण उदाहरण (precedent) पेश करता है।

क्या है मामला ?

अभियोजन ने आरोप लगाया था कि 18 जुलाई 2016 को आरोपियों ने पालघर जिले के तलासरी में एक परिवार को धमकाया, उन्हें बंधक बनाया और उनके घर से नकदी और आभूषण लूट लिए। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 395 (डकैती), 397 (डकैती या चोरी के दौरान हत्या या गंभीर चोट का प्रयास), 120-बी (आपराधिक षड्यंत्र) के साथ-साथ मकोका की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

सुरक्षा रक्षकों पर लगा चोरी का आरोप

उल्हासनगरः अंबरनाथ तहसील अंतर्गत ग्रामीण नेवाली पाडा में मुंबई ऊर्जा मार्ग लिमिटेड कंपनी के स्टोर से करीब छह लाख रुपये मूल्य के टॉवर पार्ट्स व हार्डवेयर फिटिंग चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी की यह वारदात नेवाली पाडा ग्रामपंचायत के सामने स्थित कंपनी के स्टोर परिसर में हुई, जहां खुले स्थान में सामान रखा गया था। पुलिस नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार अधिकारी दीपक यादव की शिकायत पर हिल लाइन पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शिकायत में बताया गया कि 12 से 14 दिसंबर के बीच स्टोर में तैनात सुरक्षा रक्षक सुनील मेटक (35) और भीमराव आत्रम (35) ने अन्य साथियों के साथ मिलकर 5,87,154 रुपये मूल्य का सामान गायब कराया। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 305(अ), 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर सहायक पुलिस निरीक्षक बेडकुले को जांच सौंपी है।

ज़ीशान सिद्दीकी की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि वह पूर्व विधायक ज़ीशान सिद्दीकी द्वारा दायर उस आवेदन पर समयबद्ध निर्णय ले, जिसमें उन्होंने लगातार मिल रही उगाही की धमकियों के मद्देनज़र अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस मामले में टालमटोल नहीं की जा सकती और संबंधित समिति को 10 दिनों के भीतर निर्णय लेना होगा। न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति आर.आर. भोंसले की खंडपीठ के समक्ष ज़ीशान सिद्दीकी की ओर से पेश अधिवक्ता प्रदीप घरत ने बताया कि ज़ीशान को अगस्त से लगातार धमकी भरे और उगाही से जुड़े कॉल आ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल की शुरुआत में ज़ीशान की सुरक्षा को Y+ श्रेणी से घटा दिया गया था, जबकि खतरे की आशंका बनी हुई है। ज़ीशान सिद्दीकी, दिवंगत एनसीपी नेता और पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी के पुत्र हैं। बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 की रात बांद्रा स्थित ज़ीशान के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद ज़ीशान को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई गई थी, लेकिन बाद में खतरे के आकलन (थ्रेट परसेप्शन रिव्यू) के आधार पर इसे कम कर दिया गया। अदालत को बताया गया कि ज़ीशान ने इस वर्ष नवंबर में सक्षम समिति के समक्ष औपचारिक रूप से उच्च स्तर की सुरक्षा बहाल करने के लिए प्रतिवेदन दिया था। इस पर महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता मिलिंद साठे ने पीठ को आश्वस्त किया कि आवेदन पर विचार किया जाएगा।

चुनाव के लिए टीएमसी प्रशासन तैयार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका के आम चुनाव 2025-26 आगामी 15 जनवरी 2026 को कराए जाएंगे। चुनाव को शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए ठाणे मनपा प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आदर्श आचार संहिता लागू होते ही टीएमसी आयुक्त सौरभ राव के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे ने चुनावी तैयारियों की समीक्षा की।

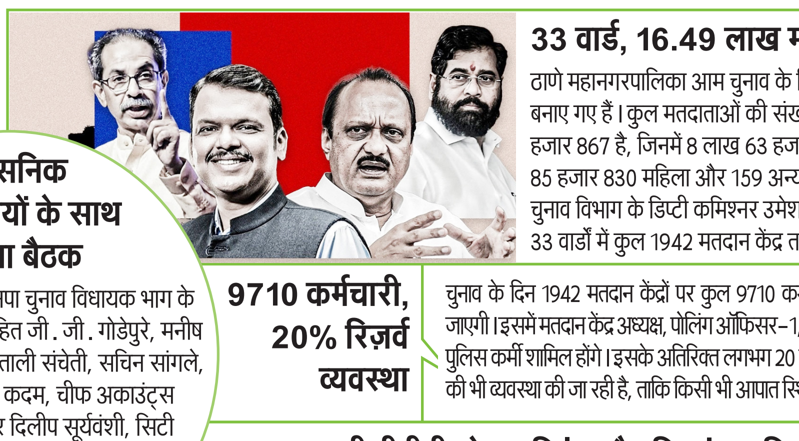

33 वार्ड, 16.49 लाख मतदाता

ठाणे महानगरपालिका आम चुनाव के लिए कुल 33 वार्ड बनाए गए हैं। कुल मतदाताओं की संख्या 16 लाख 49 हजार 867 है, जिनमें 8 लाख 63 हजार 878 पुरुष, 7 लाख 85 हजार 830 महिला और 159 अन्य मतदाता शामिल हैं। चुनाव विभाग के डिप्टी कमिश्नर उमेश बिरारी के अनुसार, 33 वार्डों में कुल 1942 मतदान केंद्र तय किए गए हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

इस समीक्षा बैठक में मनपा चुनाव विधायक भाग के उपायुक्त उमेश बिरारी सहित जी. जी. गोडेपुरे, मनीष जोशी, मधुकर बोडके, मिताली संचेती, सचिन सांगले, दीपक जिंजड़, अनघा कदम, चीफ अकाउंट्स एंड फाइनेंस ऑफिसर दिलीप सूर्यवंशी, सिटी इंजीनियर प्रशांत सोंगरा और सभी उपनगर अभियंता व विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

9710 कर्मचारी, 20% रिज़र्व व्यवस्था

चुनाव के दिन 1942 मतदान केंद्रों पर कुल 9710 कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। इसमें मतदान केंद्र अध्यक्ष, पोलिंग ऑफिसर-1, 2 और 3, कांस्टेबल तथा पुलिस कर्मी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त लगभग 20 प्रतिशत रिज़र्व कर्मचारियों की भी व्यवस्था की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

सीसीटीवी, वेबकास्टिंग और दिव्यांग सुविधा

बैठक में मतदान केंद्रों की पुष्टि, रिटर्निंग ऑफिसर कार्यालय, वाहन व्यवस्था, सीसीटीवी और वेबकास्टिंग, बिजली आपूर्ति, ईवीएम सिस्टम, सुरक्षा और मतदाता जागरूकता गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मतदाताओं की सुविधा के लिए ग्राउंड फ्लोर पर मतदान केंद्र, तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पंचायत अधिकारी को धमकाने के प्रकरण में दो आरोपी दोषी

डीबीडी संवाददाता । पालघर

जिले की अदालत ने 2018 में महिला पंचायत अधिकारी को धमकाने और उनके मोबाइल फोन को तोड़ने के मामले में दो आरोपियों को दोषी ठहराया है। गंभीर आरोपों से बरी करते हुए अदालत ने दोनों आरोपियों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया।

क्या है मामला?

यह घटना 25 सितंबर 2018 को खरशेत गांव में हुई थी। महिला पंचायत अधिकारी आवास योजना के सर्वेक्षण के लिए वहां गई थीं। आरोप है कि आरोपियों ने अपने नाम की सूची में गड़बड़ी को लेकर अधिकारी से बहस की और अपशब्द कहे। इसके दौरान शिवदास गंगाराम तांबडी ने अधिकारी का मोबाइल फोन छीनकर तोड़ दिया। पालघर की अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने 1 दिसंबर को सुनाए गए फैसले में कहा कि शिकायतकर्ता उस समय कानूनी रूप से अपने कर्तव्य का पालन कर रही थीं या नहीं, यह साबित नहीं हुआ। इसलिए सरकारी कर्मचारी पर हमला करने और अपमान करने के गंभीर आरोप भारतीय दंड संहिता की धारा 353 और धारा 504 के तहत साबित नहीं हुए। अदालत ने आरोपियों जयश्री जगन धनवा और शिवदास गंगाराम तांबडी को धारा 506 (धमकी) और 427 (संपत्ति नष्ट करना) के तहत दोषी ठहराया। न्यायालय ने प्रत्येक आरोपी पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया, जिसमें से 7,000 रुपये शिकायतकर्ता को मुआवजे के रूप में दिए जाएंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि धारा 427 के तहत यह जरूरी नहीं कि संपत्ति पीड़ित की ही हो, बल्कि घटना के समय उसके पास होना पर्याप्त है।

मनपा ने शहर से अनधिकृत बैनर और पोस्टर हटाए

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे मनपा ने आम चुनाव की तैयारी और आदर्श आचार संहिता के पालन के तहत शहर में अनाधिकृत विज्ञापन, बैनर और पोस्टर हटाने का अभियान तेज कर दिया है। 15 दिसंबर 2025 की शाम 4 बजे से 16 दिसंबर 2025 तक कुल 1404 अनाधिकृत पोस्टर और बैनर हटाए गए।

चुनाव में साफ-सुथरी प्रक्रिया सुनिश्चित

ठाणे मनपा ने बताया कि 15 जनवरी 2026 को होने वाले मतदान को देखते हुए शहर में आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन किया जा रहा है। इस कार्रवाई से सुनिश्चित किया गया कि चुनावी प्रक्रिया साफ-सुथरी और निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो।

अनधिकृत पोस्टरों पर सख्त कार्रवाई

चुनाव विभाग के उपायुक्त उमेश बिरारी के निर्देशानुसार और सहायक आयुक्त सोपान भाईक के मार्गदर्शन में, ठाणे मनपा के 9 वार्ड समितियों के अधिकारियों ने अनधिकृत पोस्टरों, बैनरों, होर्डिंग्स और जन्मदिन की शुभकामना पोस्टरों को हटाया। इसके साथ ही विकास कार्यों के कोनों को जनप्रतिनिधियों के नाम से ढकने की भी कार्रवाई की गई।

वार्ड अनुसार हटाए गए पोस्टर

शहर में अवैध पोस्टरों के खिलाफ की गई कार्रवाई के तहत विभिन्न वार्ड समितियों द्वारा बड़ी संख्या में पोस्टर हटाए गए। नौपाड़ा-कोपरी वार्ड कमेटी से 204, वागले और लोकमान्य सावरकरनगर वार्ड कमेटी से क्रमशः 257-257, वर्तकनगर वार्ड कमेटी से सबसे अधिक 275 पोस्टर हटाए गए। वहीं माजीवाड़ा-मानपाड़ा से 107, उथलसर से 169, कलवा से 21, मुंब्रा से 15 और दिवा वार्ड कमेटी क्षेत्र से 99 अवैध पोस्टर हटाए गए।

गड्ढों और खुले मैनहोल से हुई दुर्घटनाओं पर राहत

मृतकों को 6 लाख रुपए और घायलों को 2.5 लाख रुपए का मिलेगा मुआवजा

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में सड़कों पर गड्ढों और खुले मैनहोलों के कारण हुई दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले या घायल हुए नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, उल्हासनगर मनपा ने ऐसी घटनाओं के पीड़ितों को आर्थिक मुआवजा देने का अहम निर्णय लिया है। मनपा के निर्णय के तहत दुर्घटना में मृत नागरिकों के परिजनों को 6 लाख रुपए तथा घायल नागरिकों को 2.5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। इस संबंध में मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने औपचारिक आदेश जारी किए हैं। यह फैसला मुंबई उच्च न्यायालय में दायर याचिका की सुनवाई के दौरान दिए गए स्पष्ट निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है।

जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित

न्यायालय के आदेशों को लागू करने के लिए मनपा आयुक्त ने सात सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है, जो प्रत्येक मामले की गहन जांच कर पात्रता तय करेगी। समिति में आयुक्त, ठाणे जिला विधि सेवा प्राधिकरण के सचिव, मनपा अभियंता व कनिष्ठ अभियंता, संबंधित विभाग के पुलिस निरीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। समिति की सिफारिश के बाद ही पीड़ितों या उनके परिजनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

कोर्ट ने पवार परिवार के खिलाफ जांच संबंधी याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने लवासा हिल स्टेशन परियोजना को कथित तौर पर अवैध रूप से दी गई अनुमति के मामले में शरद पवार और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ सीबीआई जांच के अनुरोध वाली याचिका पर मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि वह याचिका को खारिज करने के पक्ष में हैं। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता नानासाहेब जाधव कोई ऐसा कानूनी प्रावधान पेश करने में विफल रहे जिसके तहत कोई अदालत, अपने क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल करते हुए पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दे सकती है। न्यायाधीशों ने जनहित याचिका खारिज करने की बात कही, लेकिन अंततः फैसला सुरक्षित रख लिया, ताकि याचिकाकर्ता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के वकील अपनी-अपनी दलीलों के समर्थन में अदालती फैसलों को प्रस्तुत कर सकें। पीठ ने यह नहीं बताया कि वह फैसला कब सुनाएगी। जाधव की याचिका में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को निर्देश देने का अनुरोध किया गया कि वह शरद पवार, उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले, एवं उनके भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के खिलाफ पुणे जिले के लवासा में एक हिल स्टेशन के निर्माण के लिए कथित तौर पर अवैध अनुमति देने के आरोप में मामला दर्ज करे।

गड्ढों से होने वाले एक्सीडेंट की जांच के लिए बनाई गई कमेटी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

हाई कोर्ट ने 13 अक्टूबर 2025 को गड्ढों, खुले मैनहोल और सड़क रखरखाव में लापरवाही के कारण होने वाली मौतों व दुर्घटनाओं में घायल पीड़ितों को मुआवजा तय करने और वितरण के लिए विशेष समिति बनाने के निर्देश दिए थे। इसी आदेश के तहत ठाणे मनपा क्षेत्र के लिए एक समिति गठित की गई है, जिसमें मनपा आयुक्त, ठाणे मनपा के प्रतिनिधि तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन और सचिव सदस्य हैं। इस समिति की बैठक आज मनपा आयुक्त सौरभ राव की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में अधिकारी और एजेंसियां रहीं मौजूद

बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रविकांत पझरकर, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता सिद्धार्थ तांबे, एमएमआरडीए के अधीक्षक अभियंता विनय सर्वे, शहर अभियंता प्रशांत सोनाग्रा, कानूनी सलाहकार मकरंद काले, उपनगरीय अभियंता विकास ढोले, यातायात पुलिस, स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारी और विभिन्न प्राधिकरणों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में समिति की कार्यप्रणाली और जांच प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

48 घंटे में शिकायत, जांच के बाद मिलेगा मुआवजा

मनपा ने अपील की है कि ठाणे शहर में यदि किसी नागरिक की मौत या चोट गड्ढों, खुले मैनहोल या सड़क रखरखाव में लापरवाही के कारण हुई है, तो पीड़ित या उनके परिजन दुर्घटना के 48 घंटे के भीतर समिति के पास शिकायत दर्ज कराएं। समिति दस्तावेजों और पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत की जांच करेगी। जांच में यह भी देखा जाएगा कि सड़क किस प्राधिकरण की है, क्या वह मनपा को ट्रांसफर हुई है और संबंधित पंचनामा क्या कहता है। यदि दुर्घटना का कारण गड्ढे या खुले मैनहोल पाए जाते हैं, तो नियमों के अनुसार मनपा के माध्यम से पीड़ितों को मुआवजा दिया जाएगा।

मौसम बदलते ही मरीजों की संख्या बढ़ी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले में सर्दी की शुरुआत के साथ ही सर्दी-खांसी, बुखार, एलर्जी और स्किन से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। ठाणे सिविल अस्पताल समेत विभिन्न सरकारी अस्पतालों के OPD में रोज बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। ठंडी हवा, सुबह का कोहरा और बढ़ता वायु प्रदूषण लोगों की सेहत पर असर डाल रहा है, जिसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है।

स्वास्थ्य विभाग की अपील और सावधानियां

सर्दियों में महामारी फैलने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए स्वाइन फ्लू, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया से बचाव की अपील की गई है। ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में धुंध ज्यादा होने से बुजुर्गों को ब्लड प्रेशर व जोड़ों के दर्द का विशेष ध्यान रखने और बच्चों को गर्म कपड़े पहनाने की सलाह दी गई है। जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि बुखार, सांस की दिक्कत या लगातार खांसी होने पर बिना दवा लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच कराएं, पर्याप्त पानी पिएं, गर्म व पौष्टिक भोजन करें, कोहरे में मास्क का उपयोग करें और पूरी नींद लें।

कोहरा-धुंध का असर, जोखिम में बच्चे व बुजुर्ग

ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर, शहापुर, मुरबाड़ और पालघर बॉर्डर के इलाकों में सुबह कोहरा और रात में धुंध ज्यादा महसूस हो रही है। बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर बच्चों, सीनियर सिटिजन और अस्थमा, साइनस, ब्लड प्रेशर जैसी पुरानी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों पर पड़ रहा है। अस्पतालों में सर्दी-खांसी, गले में खराश, बुखार, नाक बहना, सिरदर्द, स्किन रूखापन के साथ सांस की दिक्कत और एलर्जी के मामले सामने आ रहे हैं।

29 महापालिकाओं पर महायुति का ही भगवा फहराएगा : नवनाथ बन

देवेंद्रनाथ जैसवार । मुंबई

आगामी महानगरपालिका चुनावों में महायुति अपने विकास कार्यों के दम पर पूरी तरह मजबूत स्थिति में है। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रमुख नवनाथ बन ने मंगलवार को कहा कि मतदाताओं ने महायुति के 3.5 वर्षों के विकास कार्य देखे हैं और पिछले 25 वर्षों के मुंबई महानगरपालिका के कामकाज तथा उबाठा गुट के कथित "घर बैठे वसूली" वाले शासन को भी देखा है। यही कारण है कि विकास के लिए मतदाताओं का आशीर्वाद महायुति को ही मिलेगा और सभी 29 महापालिकाओं पर महायुति का झंडा फहरेगा।

बेनामी पोस्टरों और चुनावी अनियमितताओं पर निशाना

नवनाथ बन ने मुंबई में बिना नाम वाले पोस्टरों के मामले पर उबाठा गुट और संजय राउत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता के दौरान पोस्टर नहीं लगाए जा सकते, इसलिए ऐसे बेनामी और अवैध पोस्टरों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने चुनाव आयोग से इन पोस्टरों पर हुए खर्च की जांच की मांग भी की।

उद्योगपतियों और विपक्ष पर पलटवार

मुंबई को उद्योगपतियों के हवाले किए जाने के आरोपों पर नवनाथ बन ने पलटवार करते हुए कहा कि मुंबई आम नागरिक और मराठी मानुस की है, किसी उद्योगपति की नहीं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उस पार्टी में शुरू से केवल शरद पवार ही राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं, जबकि भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है।

'मराठी मानुस की नहीं, बल्कि एक परिवार की आख़िरी लड़ाई'

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में नवनाथ बन ने कहा कि कुछ लोग इसे मराठी मानुस की आख़िरी लड़ाई बताकर भावनाएं भड़काने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि यह मराठी मानुस की नहीं, बल्कि एक परिवार की आख़िरी लड़ाई है।

कांग्रेस और उबाठा गुट के संबंधों पर टिप्पणी

नवनाथ बन ने कहा कि यदि उबाठा गुट राज ठाकरे के साथ जाता है, तो कांग्रेस उनके साथ नहीं आएगी। कांग्रेस ने उबाठा गुट को उसकी वास्तविक हैसियत दिखा दी है। ठाकरे बंधुओं की दो शून्य एक साथ आने पर कांग्रेस का बचा-खुचा अस्तित्व भी समाप्त हो जाएगा, यह बात कांग्रेस अच्छी तरह समझ चुकी है।

मुस्लिमों की कोई अहमियत नहीं : अबू आजमी

मुंबई। महाराष्ट्र की समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आजकल मुसलमानों के जीवन की कोई अहमियत नहीं रह गई है। आजमी ने यह बात तब कही जब नीतीश कुमार का एक वीडियो बहुत वायरल हुआ। इस वीडियो में वह कथित तौर पर एक महिला का हिजाब हटाते दिख रहे हैं। इस घटना के बाद दूसरे (विपक्षी) दलों के नेता नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोल रहे हैं। कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने भी नीतीश कुमार की निंदा की है। हुसैन दलवई ने कहा कि सीएम को अपने इस रवैये को लेकर माफी मांगनी चाहिए।

सपा नेता अबू आजमी ने मुंबई में बात करते हुए इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह बहुत बुरा हुआ कि इतने बड़े पद पर बैठे और अनुभवी नेता (मुख्यमंत्री), जो कई बार सीएम रह चुके हैं, उन्होंने एक महिला के साथ बहुत गलत व्यवहार किया। आजमी ने कहा कि अगर कोई महिला बुर्का पहनती है, तो यह उसकी अपनी मर्जी है।

'नीतीश कुमार को माफी मांगनी चाहिए'

उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार को इस पूरे मामले में माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ रहकर उनका भी घमंड बढ़ गया है। इसलिए, अभी तक माफी नहीं मांगी है, उन्हें माफी मांगनी चाहिए, और ऐसा न करने का कोई बहाना नहीं है, उन्हें जरूर माफी मांगनी चाहिए। मैं लोगों से अपील करता हूं कि उनके खिलाफ विरोध करें और जब तक वह महिला से माफी नहीं मांगते और वह खुद उन्हें माफ नहीं कर देती, तब तक उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए।

मुंबई को मिलेगा मराठी मेयर : आशीष शेलार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता आशीष शेलार ने मंगलवार को घोषणा की कि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों में 227 में से 150 से अधिक सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि लगभग चार साल की देरी के बाद हो रहे इन चुनावों के बाद मुंबई को एक मराठी महापौर मिलेगा।

रणनीति तय, बैठकों का दौर जारी

शेलार ने बताया कि मंगलवार को हुई महायुति नेताओं की बैठक में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए विस्तृत रणनीतियों पर चर्चा हुई। आने वाले दिनों में इन चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए फिर बैठकें की जाएंगी। उन्होंने दावा किया कि मुंबई की जनता आगामी चुनावों में बदलाव के मूड में है।

नवाब मलिक से गठबंधन से इनकार

भाजपा मंत्री ने एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक के साथ किसी भी गठबंधन की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और एनसीपी शामिल हैं, लेकिन नवाब मलिक के साथ कोई समझौता नहीं होगा। गौरतलब है कि बीएमसी चुनाव 15 जनवरी 2026 को होंगे, 74,000 करोड़ रुपये के बजट वाली इस नगर निगम के नतीजे अगले दिन घोषित किए जाएंगे।

विपक्ष पर तंज, अलगाव के दावे खारिज

शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना शेलार ने कहा कि कुछ लोग पहले ही हार मानते हुए पोस्टर लगवा रहे हैं। साथ ही, उन्होंने मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने के दावों को पूरी तरह झूठा करार देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं।

ट्रायडेंट होटल के नाम पर साइबर ठगी

होटल में ठहरे 20 मेहमानों को फर्जी पेमेंट लिंक भेजकर पैसा वसूलने की कोशिश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देश के प्रतिष्ठित पांच सितारा ट्रायडेंट होटल के नाम का दुरुपयोग कर साइबर ठगों द्वारा मेहमानों से ठगी करने का गंभीर मामला सामने आया है। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित ट्रायडेंट होटल में ठहरे और पहले से बुकिंग करा चुके मेहमानों को फर्जी बुकिंग कन्फर्मेशन लिंक भेजकर भुगतान वसूलने की कोशिश की गई। इस संबंध में होटल प्रशासन ने बीकेसी पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

फर्जी लिंक भेजकर मांगा गया भुगतान

बीकेसी पुलिस के अनुसार, ट्रायडेंट होटल के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर अक्षय भाऊराव दैने (47) ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 30 नवंबर 2025 को एक मेहमान ने होटल की लैंडलाइन पर कॉल कर सूचना दी कि उसके मोबाइल पर बुकिंग कन्फर्मेशन के नाम पर एक संदिग्ध लिंक भेजी गई है। लिंक खोलने पर पहले बुकिंग से जुड़ी जानकारी भरने का पेज और फिर सीधे भुगतान से संबंधित पेज खुल रहा था।

जांच में सामने आई साजिश

मेहमान की सूचना के बाद होटल प्रबंधन सतर्क हुआ और तुरंत आंतरिक जांच शुरू की गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि ट्रायडेंट होटल की ओर से मेहमानों को इस तरह की किसी भी लिंक के माध्यम से भुगतान कराने की कोई प्रक्रिया नहीं है। इसके बाद मेहमान को लिंक पर कोई भी जानकारी या भुगतान न करने की सख्त सलाह दी गई। आगे की जांच में सामने आया कि ऐसी ही फर्जी लिंक कुल 20 मेहमानों को भेजी जा चुकी थी।

व्हाट्सऐप प्रोफाइल से भेजी गई लिंक

सभी प्रभावित मेहमानों ने होटल के आधिकारिक ई-मेल और फोन नंबर पर संपर्क कर इस संदिग्ध गतिविधि की जानकारी दी। जांच में पता चला कि ठगों ने "कोकोनट्स" नाम की व्हाट्सऐप प्रोफाइल और एक मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर फर्जी लिंक भेजी थी, जिससे होटल के नाम पर भरोसा पैदा कर पैसे ऐंठने की कोशिश की गई।

पुलिस जांच जारी

होटल प्रशासन का कहना है कि यह एक सुनियोजित साइबर अपराध है, जिसका उद्देश्य न सिर्फ मेहमानों से आर्थिक ठगी करना, बल्कि ट्रायडेंट जैसे प्रतिष्ठित होटल की छवि को नुकसान पहुंचाना भी है। भविष्य में किसी भी गेस्ट के साथ धोखाधड़ी न हो, इसी मकसद से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर इलेक्ट्रॉनिक सबूतों, फर्जी लिंक और मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश शुरू कर दी है। मामले की जांच फिलहाल जारी है।

कांग्रेस मुंबई के मुद्दों पर लड़ेगी बीएमसी का चुनाव : वर्षा गायकवाड़

मुंबई। कांग्रेस की मुंबई इकाई की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी अगले महीने होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव स्थानीय मुद्दों पर लड़ेगी और मतदाता भाजपा के 'धार्मिक एजेंडे' के झांसे में नहीं आएंगे। महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने बीएमसी में नियुक्त प्रशासक के माध्यम से कुछ पसंदीदा ठेकेदारों और उद्योगपतियों के लिए निकाय निधि का दुरुपयोग या हेराफेरी की। उन्होंने कहा कि प्रशासक के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई और निवासियों को अच्छी सड़कों, जलापूर्ति, स्वच्छ हवा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया। उन्होंने बताया कि भाजपा (अविभाजित शिवसेना के साथ) ने लगभग 25 वर्षों तक बीएमसी पर शासन किया, जबकि पिछले तीन वर्षों से नगर निकाय का संचालन भाजपा सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासक कर रहे हैं। इस दौरान महानगरपालिका के खजाने का दुरुपयोग हुआ, यह गायकवाड़ ने स्पष्ट किया।

भाजपा पर मतदाताओं को धार्मिक आधार पर ध्रुवीकृत करने का आरोप लगाते हुए गायकवाड़ ने कहा कि महानगरपालिका का चुनाव शहर के वास्तविक और स्थानीय मुद्दों पर लड़ा जाना चाहिए, न कि धार्मिक या राजनीतिक एजेंडे के आधार पर।

मुंबई एयरपोर्ट पर 33.42 किलो हाइड्रोपोनिक वीड जब्त

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स ने 11 से 15 दिसंबर के बीच बैंकॉक से आए 11 यात्रियों से कुल 33.42 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड जब्त किया। पूर्व सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई और सभी संबंधित यात्रियों को गिरफ्तार किया गया।

कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, चार मामलों में 5 यात्रियों के पास से 16.482 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद किया गया। इसकी अनुमानित अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 16.482 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इन यात्रियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया।

दूसरे मामले में 16.940 किलोग्राम बरामद

एक अन्य मामले में बैंकॉक से अलग-अलग फ्लाइट्स से आए 6 यात्रियों के पास से 16.940 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड जब्त किया गया। इसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत लगभग 16.940 करोड़ रुपए है। सभी गिरफ्तार यात्रियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। कस्टम्स अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई गुप्त सूचना और प्रोफाइलिंग के आधार पर की गई।

10-11 दिसंबर की कार्रवाई में 42.898 किलोग्राम बरामद

इसके पहले 10 और 11 दिसंबर की रात मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स ने बैंकॉक से आए 5 यात्रियों से कुल 42.898 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड जब्त किया था। प्रोफाइलिंग और सबूतों के आधार पर इन सभी यात्रियों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या - 2

निविदा क्रमांक 51.25.6057. विभाग/ रेलवे / स्टोर / मध्य रेलवे समापन: 22.12.2025 11:30. निविदा शीर्षक: पीएससी पर 60 किग्रा रेल के लिए ग्लूड जॉइंट का निर्माण और आपूर्ति। संशोधन: 1) एनआईटी हेडर: फ़ील्ड का नाम: निविदा बंद होने की तिथि/समय: **मौजूदा तारीख / समय: 01/12/2025 11:30. संशोधित तारीख / समय: 22/12/2025 11:30.** DE-746

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल

खुली निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), प्रथम तल, पार्सल कार्यालय भारत के राष्ट्रपति और केंद्रीय रेलवे, मुंबई सीएसटी 400001 की ओर से प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली निविदाओं के लिए आमंत्रित किया गया है। **निविदा सूचना नं. सीआर/ बीबी/सं.एवं दु.सं. दक्षिण/2025/62, दिनांक 12.12.2025. कार्य का नाम:** मुंबई डिवीजन के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-पनवेल, कुर्ला - कल्याण और कल्याण-इगतपुरी- लोनावाला सेक्शन में पुराने और खराब हो चुके मोटर टाइप एसी ट्रैक सर्किट को बदलने के लिए। **लगभग मूल्य:** रु.14.62/- करोड़। **खुलने की तारीख़:** 12/01/2026. **ईएमडी:** रु. 8,81,400/-. **वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 12 महीने। यह निविदा 15/06/2017 दिनांकित सार्वजनिक खरीद नीति (भारत में बनाओ) आदेश 2017 का अनुपालन करती है। निविदाओं का पूरा ब्यौरा मध्य रेलवे में उपलब्ध है। आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पूरी निविदा दस्तावेजों को वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदाओं का पूरा विवरण मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी) के कार्यालय, मुंबई सीएसटी के "नोटिस बोर्ड" में भी उपलब्ध है। DE-742

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा का झूठ उजागर : सपकाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

नेशनल हेराल्ड मामले में अदालत द्वारा दिया गया फैसला भारतीय जनता पार्टी के झूठ का पर्दाफाश करने वाला है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि केवल सोनिया गांधी और राहुल गांधी को बदनाम करने के लिए रची गई साजिश आज बेनकाब हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से सोनिया जी और राहुल जी की निराधार बदनामी के लिए सार्वजनिक माफी की मांग की। सपकाल ने तिलक भवन में पत्रकार परिषद में बताया कि नेशनल हेराल्ड कंपनी की स्थापना स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति और विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए हुई थी। स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे स्वयं धन देकर स्थापित किया। इस संस्था ने न तो लाभ कमाया और न किसी सदस्य को आर्थिक लाभ हुआ। इसके बावजूद भाजपा ने मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा आरोप लगाकर जांच एजेंसियों पर दबाव डाला और सोनिया-राहुल गांधी को घंटों पूछताछ के लिए परेशान किया।

महानगरपालिका चुनावों की रणनीति पर बैठक

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राज्य की 28 महानगरपालिकाओं के चुनावों की रणनीति तय करने के लिए दो दिनों तक तिलक भवन में बैठक हुई। इसमें विधानमंडल नेता विजय वडेट्टीवार, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य नसीम खान, प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश पाटील और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

माणिकराव कोकाटे की बर्खास्तगी की मांग

सपकाल ने महायुति सरकार में खेल मंत्री माणिकराव कोकाटे को सदनिका घोटाले में जिला न्यायालय द्वारा दी गई दो वर्ष की सजा के बावजूद बचाए जाने पर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और सुनील केदार को सजा होने पर 24 घंटे के भीतर उनके पद रद्द कर दिए गए।

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना क्रमांक. NIT/01/25/53, दिनांक: 15-दिसंबर-2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, मध्य रेलवे निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्रमांक	निविदा क्रमांक	विवरण	मात्रा	नियत तिथि
1	42251451ए	वैक्यूम सर्किट ब्रेकर	37 सेट	02-जनवरी-26
2	38253416	एंड वॉल दीवार स्लाइडिंग दरवाजा	86 नग	24-दिसंबर-25
3	38250293	60 केवीए 750V/415V, एलएचबी प्रकार एसी कोच (ईओजी) के लिए तीन चरण शुष्क प्रकार बिजली वितरण ट्रांसफार्मर / पावर कार आरडीएसओ विनिर्देश संख्या आरडीएसओ/पीई/स्पेक/एसी/0080-2007 (रेव-2)	23 नग	02-जनवरी-26
4	81251026	संलग्न विनिर्देश के अनुसार अनारक्षित टिकट प्रणाली के लिए थर्मल टिकट रोल, टेंडर मास्किंग टेप / पेपर टेप के साथ	611000 नग	24-दिसंबर-25
5	75251097ए	ब्रेज़िंग रॉड (आकार 2 मिमी व्यास x 600 मिमी लम्बाई विनिर्देश संख्या DIN-EN-1044-AG-203)	317 किग्रा	29-दिसंबर-25
6	38252502बी	एक्सल बॉक्स के लिए रियर कवर (मशीनीकृत फिनिश)	10585 नग	05-जनवरी-26
7	38255138	बीसीएनएचएल/ बॉक्सएनएचएल के लिए शैंक वियर प्लेट के साथ कपलर बॉडी	299 नग	19-जनवरी-26
8	51256057	आरडीएसओ ड्रॉईंग. नं. टी- 2572 (ऑल्ट-5) के अनुरूप पीएससी स्लीपर पर 60 किग्रा रेल के लिए ग्लूड जॉइंट	12000 नग	22-दिसंबर-25
9	51256068	आरडीएसओ ड्रॉईंग.नं. टी-8533 से 8536 के अनुसार 60 किग्रा और 52 किग्रा रेल के लिए 1 मीटर लंबी संयोजन फिश प्लेट का निर्माण और आपूर्ति	2660 सेट	22-दिसंबर-25
10	81252071	उन्नत श्रेणी - ई (6 इंच x 11 इंच) के लिए (एनर रिंग पॉलीमाइड केज असेंबली के साथ) फ्रेट स्टॉक के लिए सीटीआरबी	892 नग	29-दिसंबर-25

नोट: उपरोक्त सभी निविदाएं ई-निविदाएं हैं और सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS वेबसाइट पर जाएं।

DE-748 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

सैफी अस्पताल की मनमानी बर्दाश्त नहीं : मंत्री लोढ़ा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गिरगांवकरों की सुविधाओं में बाधा डालने वाली सैफी अस्पताल प्रशासन की मनमानी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह सख्त चेतावनी महाराष्ट्र के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम नागरिकों की समस्या के साथ कोई समझौता नहीं होगा।

चर्नी रोड-केलेवाड़ी पुल को लेकर तीन साल का संघर्ष

मंत्री लोढ़ा ने कहा कि चर्नी रोड-केलेवाड़ी पुल का निर्माण पूरा हुए बिना वे चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने बताया कि बीते तीन वर्षों से वे इस पुल के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इस दौरान बीएमसी और पुल का विरोध कर रहे सैफी अस्पताल प्रशासन के साथ कई बैठकें हुईं, लगातार फॉलो-अप के बाद मंज़ूरी और निधि की व्यवस्था भी कराई गई।

न्यायालय की अनुमति के बावजूद बाधाएं

लोढ़ा ने आरोप लगाया कि न्यायालय द्वारा बीएमसी को पुल निर्माण की अनुमति दिए जाने और लगभग 60 प्रतिशत काम पूरा हो जाने के बावजूद सैफी अस्पताल प्रशासन ने एक बार फिर अड़चनें पैदा कीं। बिना किसी पूर्व सूचना के पुल का काम रोक दिया गया, जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी नाराज़गी है। इस मुद्दे पर पालिका मुख्यालय में बैठक कर सहायक आयुक्त चंद्रशेखर चोरे से जवाब भी मांगा गया, लेकिन उत्तर असंतोषजनक रहा।

काम दोबारा शुरू करने के निर्देश, आंदोलन में भी उतरे मंत्री

मंत्री लोढ़ा ने बीएमसी को निर्देश दिए कि वह किसी भी दबाव में आए बिना न्यायालय के आदेश के अनुसार पुल निर्माण कार्य तुरंत पुनः शुरू करे। उन्होंने दो टूक कहा कि जब तक पुल का काम पूरा नहीं होगा, उनका संघर्ष जारी रहेगा। गौरतलब है कि गिरगांवकरों द्वारा सैफी अस्पताल के सामने किए गए आंदोलन में मंत्री लोढ़ा स्वयं भी शामिल हुए थे।

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना क्रमांक. NIT/01/25/52, दिनांक: 15-दिसंबर-2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, मध्य रेलवे निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्रमांक	निविदा क्रमांक	विवरण	मात्रा	नियत तिथि
1	71255012सी	सीएएमसी के साथ 15 टन क्षमता की इलेक्ट्रिक ओवरहेड ट्रैवलिंग [ईओटी] क्रेन	01 नग	29-दिसंबर-25
2	42253138ए	न्युमॅटिक नियंत्रण इकाई	31 नग	22-दिसंबर-25
3	10251580	लोको साइड बफर असेंबली	554 नग	22-दिसंबर-25
4	38252149	निचली स्प्रिंग बीम व्यवस्था	376 नग	23-दिसंबर-25
5	27253465	तापमान सेंसर असेंबली	556 नग	22-दिसंबर-25
6	27252153	कंडेनसर बुशिंग	18 नग	22-दिसंबर-25
7	27251933	एक्सल बॉक्स हाउसिंग	124 नग	24-दिसंबर-25
8	27252444	स्थायी फील्ड डायवर्टर	13 सेट	26-दिसंबर-25
9	27254746	उच्च वोल्टेज बुशिंग	32 नग	18-दिसंबर-25
10	42250001ए	बेयरिंग शील्ड	129 नग	05-जनवरी-26
11	43250015	डीजल इंजन लीड एसिड स्टार्टर बैटरियां	131 सेट	01-जनवरी-26
12	RgC50259002	भूमिगत जेली भरे 6 क्वाड x 0.9 मिमी व्यास वाले कॉपर कंडक्टर केबल की आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रैक्ट, (आरडीएसओ विनिर्देश संख्या (आईआरएस: टीसी-30/2005 [संस्करण-1] के साथ संशोधन संख्या 1 से 5 के अनुरूप)	12,000 किमी	22-दिसंबर-25
13	51256068	आरडीएसओ ड्रॉईंग. नं. टी-8533 से टी-8536 के अनुसार 60 किग्रा और 52 किग्रा रेल के लिए 1 मीटर लंबी संयोजन फिश प्लेट का निर्माण और आपूर्ति	2660 सेट	29-दिसंबर-25

नोट : उपरोक्त सभी निविदाएं ई-निविदाएं हैं और सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS वेबसाइट पर जाएं।

DE-749 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

संपादकीय

सिडनी में खूनी खेल

सिडनी में यहूदियों को निशाना बनाये जाने की घटना ने पहलगाम आतंकी हमले के जख्मों को हरा कर दिया। पहलगाम में भी आतंकियों ने लोगों को चुन-चुनकर मारा था। सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय की सभा पर हुआ हमला हमें इस क्रूरता की याद दिलाता है कि आतंकवादी आम जीवन के केंद्र में, प्रार्थना स्थलों और सुकून देने वाले स्थलों को ही अपना निशाना बनाते हैं। यह हिंसा उस हनुक्का उत्सव के दौरान की गई, जो अंधकार के साम्राज्य को प्रकाश से पराजित करने का संकल्प दर्शाता है। इस मायने में यह हमला क्रूरता की हद दर्शाता है। दरअसल, आस्ट्रेलिया लंबे समय से इस विश्वास के चलते शांति का अहसास करता रहा है कि तमाम वैश्विक संघर्षों से बनायी गई उसकी दूरी, उसे सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन इस घटना के बाद उसका भ्रम टूटा है। अब जाकर उसे यह अहसास हुआ है कि आतंकवादी अपने घातक मसूंबों को अंजाम देने के लिये हमारे ऐसे ही विश्वासों को तोड़कर हमले करते हैं। बॉन्डी के हमले ने न केवल आस्ट्रेलिया के भ्रम को तोड़ा है बल्कि उसे अपनी सुरक्षा नीतियों में बदलाव को बाध्य किया है। जैसा कि अपरिहार्य है, आस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने हमले को एक वैश्विक आतंकवाद के रूप में वर्गीकृत किया है। खासकर हिंसा के तौर-तरीके और वैचारिक मकसद को ध्यान में रखते हुए। यह वर्गीकरण इस बात को भी स्वीकार करता है कि हमला नफरत से प्रेरित हिंसा के एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा था,जो दुनिया के तमाम देशों में देखा जा रहा है। इस आतंकी घटना के बाद यहूदी समुदाय में दुख के साथ-साथ आक्रोश भी उमड़ रहा है। खासकर इस बात को लेकर कि यहूदी समुदाय द्वारा लंबे समय से दी जा रही चेतावनी के बावजूद आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी रवैये को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस प्रवृत्ति पर पहले से ही सतर्क निगरानी रखी गई होती तो शायद बॉन्डी के हमले को टाला जा सकता। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से ही इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस तीखी और ध्रुवीकृत हो चली थी। हालांकि, यहां हुए अधिकांश विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं, लेकिन चरमपंथी विचारधारा का पोषण करने वाले मुट्ठीभर लोग भी घातक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। यह हमला ऐसे मंसूबों की रोकथाम की सीमाओं को भी उजागर करता है। निस्संदेह, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से आंतकी नेटवर्क की निगरानी समय रहते की जा सकती है। वे सही वक्त पर ही न केवल आने वाले खतरों का आकलन कर सकती हैं बल्कि साजिशों को नाकाम भी कर सकती हैं। लेकिन एक विसंगति यह भी है कि सार्वजनिक स्थानों पर अकेले हमले करने वालों को रोकना कुछ कठिन जरूर होता है। जैसे कि इस मामले में देखने में आया है। फिर भी, इस भयावह घटना के बीच एक साहस देखने को भी मिला। एक बहादुर राहगीर ने एक हमलावर को निहत्था करने के लिये अपनी जान भी जोखिम में डाली। हालांकि, वह इस प्रयास में घायल हुआ, लेकिन वह कई लोगों की जान बचाने में कामयाब हुआ। पूरी दुनिया में उसके साहस के लिये प्रशंसा हो रही है। संकट की घड़ी में ऐसा साहस आतंकवादियों की कायरता पर करारा प्रहार होता है और इससे आतंकवादियों के मंसूबे धरे रह जाते हैं। यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि घोर अंधकार के क्षणों में भी मानवता का अंत नहीं होता। निश्चित रूप से इस घटना के बाद आस्ट्रेलिया को सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके यहां रह रहे संवेदनशील समुदायों के लिये मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही समय रहते समाज में घृणा को बढ़ाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ऐसे वक्त में जब हमास व इस्राइल के संघर्ष के बाद पूरी दुनिया में यहूदी विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, तो इसके खिलाफ वैश्विक स्तर पर साझा लड़ाई लड़ने की जरूरत है। विश्व समुदाय को किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ होने वाली आतंकी घटनाओं का मुकाबला मिलकर करने की जरूरत है। अन्यथा कट्टरपंथी तत्वों के हौसले बुलंद होते रहेंगे। इसके अलावा आतंकी संगठनों को आर्थिक मदद, समर्थन व अन्य सहयोग देने वाले देशों पर भी शिकंजा कसने की जरूरत है।

भारत-जॉर्डन : अटूट रणनीतिक दोस्ती

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार,
साहित्यकार-स्तम्भकार

मध्य पूर्व के अशांत भूगोल में जॉर्डन एक ऐसा देश है, जिसने संतुलन, स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट रुख को अपनी पहचान बनाया है। इस पहचान के केंद्र में हैं जॉर्डन के सम्राट किंग अब्दुल्ला द्वितीय—जिन्हें दुनिया के सबसे प्रभावशाली राजाओं में गिना जाता है, लेकिन जिनकी छवि सादगीपूर्ण, साहसी और राष्ट्रहित के लिए हर हद तक जाने वाले शासक की रही है। भारत और जॉर्डन के रिश्तों में बीते वर्षों में आई गहराई के पीछे किंग अब्दुल्ला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बनी व्यक्तिगत समझ और भरोसे की अहम भूमिका रही है। किंग अब्दुल्ला द्वितीय का संबंध हाशमी (हुशेनिया) परिवार से है, जिसकी जड़ें पैगंबर मोहम्मद साहब से जुड़ती हैं। उन्हें पैगंबर मोहम्मद का 41वां वंशज माना जाता है। लगभग 1400 वर्षों से इस वंश का प्रभाव क्षेत्र में बना हुआ है और आधुनिक जॉर्डन की नींव भी इसी परिवार ने रखी। यह केवल एक राजवंश नहीं, बल्कि धार्मिक, ऐतिहासिक और राजनीतिक वैधता का प्रतीक है, जो किंग अब्दुल्ला को अरब और इस्लामी दुनिया में विशेष सम्मान दिलाता है। अब्दुल्ला द्वितीय महज 32 वर्ष की उम्र में जॉर्डन के राजा बने। कम उम्र में सत्ता संभालने के बावजूद उन्होंने स्वयं को एक मजबूत, दूरदर्शी और साहसी नेता के रूप में स्थापित किया। आतंकवाद के खिलाफ उनकी नीति केवल भाषणों तक सीमित नहीं रही। जब आईएसआईएस ने क्षेत्र में बर्बरता फैलाई, तब किंग अब्दुल्ला ने यह दिखाया कि वे सिर्फ सिंहासन पर बैठने वाले राजा नहीं, बल्कि मैदान में उतरने वाले नेता भी हैं। आईएसआईएस के खिलाफ अभियानों में उन्होंने स्वयं फाइटर जेट उड़ाकर भाग लिया। जॉर्डन ने आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस अपनाते हुए आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की और उनके ठिकानों पर प्रभावी हमले किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि आतंकवाद को लेकर जॉर्डन की सोच भारत जैसी ही है। दोनों देशों का साझा विश्वास है कि आतंकवाद किसी धर्म या क्षेत्र से नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ अपराध है। यही साझा दृष्टिकोण भारत–जॉर्डन संबंधों की रीढ़ बन गया है। किंग अब्दुल्ला की व्यक्तिगत संपत्ति और शाही जीवनशैली अक्सर चर्चा में रहती है। उनके पास कई शाही महल हैं और रॉयल ऑटोमोबाइल म्यूजियम में दुर्लभ और ऐतिहासिक कारों का उल्लेखनीय संग्रह है। इसके बावजूद, वे सादगी पसंद करते हैं और कई बार सामान्य वाहनों का उपयोग करते देखे गए हैं। उनकी पत्नी क्वीन रानिया को शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुधारों के लिए वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त है। किंग अब्दुल्ला का सैन्य जीवन भी उतना ही प्रभावशाली रहा है। 1980 के दशक में वे जॉर्डन की स्पेशल फोर्सेस में कमांडो रह चुके हैं। यही सैन्य अनुभव उनकी सुरक्षा नीति और आतंकवाद-रोधी रणनीति में स्पष्ट रूप से झलकता है। आज भी वे अपने सैनिकों के बीच एक कमांडर की तरह सम्मान पाते हैं। भारत और जॉर्डन की दोस्ती दशकों पुरानी है, लेकिन हाल के वर्षों में इसे नई ऊर्जा मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हुशेनिया पैलेस में हुआ गर्मजोशी भरा स्वागत इसी रिश्ते की गहराई को दर्शाता है। द्विपक्षीय बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि बातचीत केवल औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं थी, बल्कि रणनीतिक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा हुई। इस दौरे के दौरान भारत–जॉर्डन बिजनेस फोरम की बैठक भी हुई, जिसमें दोनों देशों के उद्योगपतियों और निवेशकों ने भाग लिया। किंग अब्दुल्ला ने समझौतों पर संतोष जताते हुए कहा कि ये करार दोनों देशों के आर्थिक भविष्य को नई दिशा देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने भी जॉर्डन द्वारा दिए गए स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और ऐतिहासिक मैत्री को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। व्यापार के स्तर पर भी भारत और जॉर्डन के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। भारत जॉर्डन से मुख्य रूप से फॉस्फेट और पोटाश जैसे उर्वरक कच्चे माल का आयात करता है, जो भारतीय कृषि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा रसायन, खनिज और कुछ पेट्रोकेमिकल उत्पाद भी आयात किए जाते हैं। वहीं भारत से जॉर्डन को दवाइयां, फार्मास्यूटिकल उत्पाद, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, टेक्सटाइल, चावल, चाय और इंजीनियरिंग सामान निर्यात किया जाता है। भारतीय दवाइयों की गुणवत्ता और किफायती कीमतों के कारण जॉर्डन में उनकी अच्छी मांग है। डिजिटल तकनीक और आईटी के क्षेत्र में भी दोनों देश सहयोग बढ़ाने पर सहमत हैं। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप संस्कृति और आईटी विशेषज्ञता जॉर्डन के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जबकि जॉर्डन मध्य पूर्व के बाजारों तक भारत के लिए एक सेतु की भूमिका निभा सकता है। रणनीतिक दृष्टि से जॉर्डन पश्चिम एशिया में भारत का एक स्थिर, भरोसेमंद और संतुलित साझेदार है। आतंकवाद के खिलाफ उसका स्पष्ट रुख भारत की सुरक्षा चिंताओं के अनुरूप है। साथ ही, फिलिस्तीन, इजरायल और अरब दुनिया के बीच संतुलन बनाने में जॉर्डन की भूमिका क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देती है, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ भारत को मिलता है। किंग अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी पूर्व मुलाकातों का उल्लेख करते हुए कहा कि निरंतर संवाद के कारण दोनों देशों के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। आज भारत और जॉर्डन केवल मित्र देश नहीं, बल्कि समान मूल्यों और साझा चुनौतियों से जुड़े रणनीतिक साझेदार हैं। आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त सोच, आर्थिक सहयोग, व्यापार, तकनीक और जन-संपर्क इन संबंधों को और सुदृढ़ बना रहे हैं। यह साझेदारी आने वाले वर्षों में और व्यापक तथा मजबूत होती जाएगी।

जीवन मंत्र

मन की बेचैनी को समझने पर ही प्रलाप और चिंता का अंत हो सकता है। याद रखिए, एक बेचैन मन, चाहे वह कितना भी प्रतिभाशाली क्यों न हो, समझ और खुशी को नष्ट कर देता है!

बेचैन मन से शांति की तलाश

प्रलाप और चिंता में अजीब तरह की समानता है। ये दोनों ही अशांत मन की उपज हैं। एक बेचैन मन के भाव और क्रियाकलाप तेजी से बदलते हैं, अधीर मन किसी न किसी काम में उलझा मिलेगा; इसमें खलबली बढ़ती जाती है, बेचैन मन की दिलचस्पी भी तेजी से बदलती है और प्रलाप में ये सभी तत्व शामिल होते हैं। संघनता और गंभीरता के ठीक विपरीत है प्रलाप। किसी दूसरे के बारे में प्रसन्न होकर या दुष्टतापूर्वक बातें करना अपने आप से पलायन है और पलायन बेचैनी का कारण है। पलायन अपने स्वभाव में ही बेचैन करने वाला है। दूसरों के बारे में चिंता करने की बीमारी ज्यादातर लोगों में होती है, और यह रोग चारों तरफ दिखाई देता है। जैसे हम इस बात से चिंतित होते हैं कि दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, वैसे ही हम उनके बारे में भी सब कुछ जानने को उत्सुक रहते हैं और इससे दंभ के कच्चे अंकुर पैदा होते रहते हैं। इस प्रकार हम ज्यादा से ज्यादा बाहरी होते जाते हैं और आंतरिक रूप से खोखले। याद रखिए, हम जितना अधिक बाह्य होंगे, अफवाहों और विचलन के उतने ही ज्यादा संपर्क में होंगे, और यह एक ऐसे मन को जन्म देगा, जो कभी शांत नहीं होता; जो गहरी खोज में सक्षम नहीं है। प्रलाप बेचैन मन की अभिव्यक्ति है; पर खामोशी शांत मन का संकेत नहीं है। संयम या नकार से शांति अस्तित्व में नहीं आती;

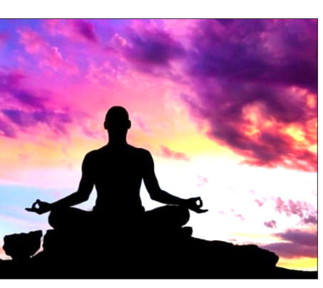

बल्कि जो है, उसकी समझ से आती है। और जो है, उसको समझने के लिए गहन जागरूकता की आवश्यकता है, क्योंकि जो है, वह स्थिर नहीं है। यदि हम चिंता न करें, तो अधिकांश लोगों को यही लगेगा कि हम जीवित नहीं हैं; किसी न किसी समस्या से जूझते रहना हममें से अधिकांश लोगों के लिए अस्तित्व का संकेत है। हम किसी समस्या के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं कर सकते; और जितना अधिक हम किसी समस्या में व्यस्त होते जाते हैं, यह सोचते हैं कि हम उतने ही जागरूक हैं। किसी समस्या को लेकर निरंतर तनाव मन को सुस्त बनाता है, उसे असंवेदनशील और थका देता है। किसी समस्या में निरंतर व्यस्तता क्यों बनी रहती है? क्या चिंता करने से समस्या का समाधान हो जाएगा? या किसी समस्या का उत्तर तब आता है, जब मन शांत होता है? चिंता गंभीरता की झलक रखती है, उससे पैदा नहीं होती, बल्कि गहराई से देखें, तो यह आकर्षण की उपज है।

जीवन ऊर्जा

हम्फ्री डेवी : जन्म 17 दिसंबर 1778 — जन्म

हम्फ्री डेवी, जिनका जन्म 17 दिसंबर 1778 को हुआ था और जिनका निधन 29 मई 1829 को हुआ था, एक अग्रणी ब्रिटिश रसायनज्ञ और आविष्कारक थे। कई क्षार और क्षारीय पृथ्वी धातुओं की खोज के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने खनिकों के लिए डेवी लैंप का आविष्कार किया। इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री और रासायनिक अलगाव पर उनके काम ने उनके समय के दौरान विज्ञान में क्रांति ला दी।

ज्ञान की खोज एक अंतहीन यात्रा है

जीवन महान त्याग या कर्तव्यों से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी चीजों से बना है। कल्पना खोज की आत्मा है। मेरी सबसे महत्वपूर्ण खोजों का सुझाव मुझे मेरी असफलताओं ने दिया है। गलतियाँ करने से मत डरो; वे अक्सर महानतम उपलब्धियों की ओर ले जाती हैं। ज्ञान की खोज एक अंतहीन यात्रा है। नए ज्ञान से भरा हुआ मन कभी भी अपने मूल आयामों पर वापस नहीं जा सकता। सफलता उन्हें मिलती है जो जिज्ञासा को साहस के साथ अपनाते हैं। सच्चा विज्ञान हमें संदेह करना और सवाल करना सिखाता है। अवलोकन की शक्ति ब्रह्मांड के रहस्यों को खोलने की कुंजी है। प्रशंसा के लिए नहीं, बल्कि काम के प्रति प्रेम के लिए काम करें। महान उपलब्धियाँ दृढ़ता और जुनून से पैदा होती हैं। प्रतिभा की चिंगारी अदृश्य को देखने की क्षमता में निहित है। हर विफलता में एक सबक होता है; हर सबक में प्रगति होती है। खोजें 'क्या होगा अगर?' पूछने के साहस से शुरू होती हैं। प्रगति उन लोगों के लिए पुरस्कार है जो सामान्य से परे सपने देखने की हिम्मत रखते हैं। प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है; उसका निरीक्षण करें और उससे सीखें। विनम्रता ज्ञान की नींव और खोज का प्रवेश द्वार है। हर छोटी खोज महानता की ओर एक कदम है। संभव की सीमाओं को केवल असंभव में धकेल कर ही परिभाषित किया जा सकता है। रचनात्मकता और विज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ज्ञान अनंत है, और सीखने की हमारी क्षमता भी अनंत है। सपने नवाचार के इंजन को ईंधन देते हैं। सफलता का माप आप जो हासिल करते हैं उसमें नहीं है, बल्कि आप जो प्रभाव छोड़ते हैं उसमें है। अंधेरे में भी, जिज्ञासा का प्रकाश आपको मार्गदर्शन कर सकता है। दूसरों को प्रेरित करने के लिए, पहले अपने भीतर जुनून की लौ जलाएं।

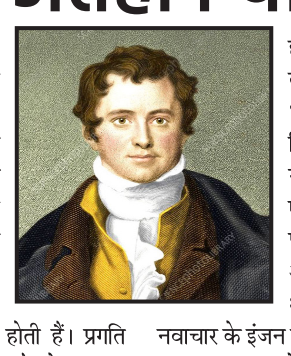

शख्सियत — रितेश देशमुख

बॉलीवुड के बहुमुखी कलाकार

रितेश विलासराव देशमुख, जन्म 17 दिसंबर 1978 को लातूर, महाराष्ट्र में हुआ, एक भारतीय फिल्म अभिनेता, निर्माता और वास्तुकार हैं। वे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय विलासराव देशमुख और वैशालीताई देशमुख के पुत्र हैं। उनके भाई अमित और धीरज देशमुख भी उनके परिवार का हिस्सा हैं। रितेश ने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन और फिल्मों से की और धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई।

रितेश देशमुख ने हिंदी और मराठी दोनों सिनेमा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उन्हें अपनी कॉमिक टाइमिंग, रोमांटिक भूमिकाओं और गंभीर अभिनय के लिए जाना जाता है। उन्होंने अभिनय के साथ-साथ प्रोडक्शन और डिजाइनिंग में भी हाथ आजमाया है। वास्तुकला में उनकी पृष्ठभूमि ने उन्हें फिल्मों के सेट डिजाइन और निर्माण में भी योगदान देने की क्षमता दी है। रितेश की शादी अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा से 2012 में हुई। दोनों की जोड़ी बॉलीवुड में बेहद पसंद की जाती है और उनके दो बच्चे हैं। जेनेलिया और रितेश अक्सर अपने पारिवारिक और पेशेवर जीवन को संतुलित तरीके से संभालते हुए नजर आते हैं। रितेश देशमुख की पहली उल्लेखनीय मराठी फिल्म 'यलो' थी, जिसने बॉलीवुड में भी ध्यान आकर्षित किया। इस फिल्म से इतना प्रभाव पड़ा कि सलमान खान ने इसे हिंदी में बनाने की इच्छा जताई। इसके बाद रितेश ने बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी खास कॉमिक और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीता। उनकी प्रमुख हिंदी फिल्मों में 'हाउसफुल' सीरीज, 'मस्ति', 'ग्रैंड मस्ती', 'टोटल धमाल', 'नमस्ते लंदन', 'तेरे नाल लव हो गया', 'एंटरटेनमेंट', 'बैंजो', 'ओम शांति ओम' जैसी हिट फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में उनकी कॉमिक टाइमिंग और सहज अभिनय ने उन्हें दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना दिया। 'हाउसफुल' और उसके सीक्वल में उनकी भूमिका विशेष रूप से प्रशंसकों द्वारा पसंद की जाती है। रितेश ने केवल हास्य भूमिकाओं तक सीमित नहीं रहते हुए रोमांटिक और गंभीर भूमिकाओं में भी अपनी versatility दिखाई है। उनकी अभिनय शैली में सहजता और प्राकृतिकपन दोनों दिखाई देते हैं, जिससे वे हर प्रकार की भूमिका में आत्मसात हो जाते हैं। रितेश देशमुख का फिल्मी योगदान केवल अभिनय तक सीमित नहीं है। उन्होंने निर्माता और वास्तुकार के रूप में भी अपनी छवि बनाई है। उनके निर्माण और डिजाइन प्रोजेक्ट्स में रचनात्मकता और व्यावहारिक दृष्टिकोण दोनों देखने को मिलते हैं। इसके अलावा वे सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय हैं। रितेश का यह मानना है कि फिल्म उद्योग केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज में संदेश पहुँचाने का एक प्रभावशाली प्लेटफॉर्म भी है। इस दृष्टिकोण ने उन्हें फिल्मों के चयन और उनके किरदारों में सोच-समझ कर निर्णय लेने में मदद की है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

हृदय के मंदिर में छिपा है ईश्वर का असली वास

एक बार भगवान दुविधा में पड़ गए! कि कोई भी मनुष्य जब मुसीबत में पड़ता है, तब मेरे पास भागा-भागा आता है और मुझे सिर्फ अपनी परेशानियां बताने लगता है, मेरे पास आकर कभी भी अपने सुख या अपनी संतुष्टि की बात नहीं करता मेरे से कुछ न कुछ मांगने लगता है! अंततः भगवान ने इस समस्या के निराकरण के लिए देवताओं की बैठक बुलाई और बोले- कि हे देवो, मैं मनुष्य की रचना करके कष्ट में पड़ गया हूं। कोई न कोई मनुष्य हर समय शिकायत ही करता रहता हैं, जबकी मै उन्हे उसके कर्मानुसार सब कुछ दे रहा हूँ। फिर भी थोड़े से कष्ट मे ही मेरे पास आ जाता हैं, जिससे न तो मैं कहीं शांति पूर्वक रह सकता हूं, न ही शास्वत स्वरूप में रहकर साधना कर सकता हूं। आप लोग मुझे कृपया ऐसा स्थान बताएं, जहां मनुष्य नाम का प्राणी कदापि न पहुंच सके। प्रभु के विचारों का आदर करते हुए देवताओं ने अपने-अपने विचार प्रकट करने शुरू किए। गणेश जी बोले- आप हिमालय पर्वत की चोटी पर चले जाएं। भगवान ने कहा- यह स्थान तो मनुष्य की पहुंच में हैं। उसे वहां पहुंचने में अधिक समय नहीं लगेगा। इंद्रदेव ने सलाह दी- कि आप किसी महासागर में चले जाएं। वरुण देव बोले- आप अंतरिक्ष में चले जाइए। भगवान ने कहा- एक दिन मनुष्य वहां भी अवश्य पहुंच जाएगा। भगवान निराश होने लगे थे। वह मन ही मन सोचने लगे- क्या मेरे लिए कोई भी ऐसा गुप्त स्थान नहीं हैं, जहां मैं शांतिपूर्वक रह सकूं। अंत में सूर्य देव बोले- प्रभु! आप ऐसा करें कि मनुष्य के हृदय में बैठ जाएं! मनुष्य अनेक स्थान पर आपको ढूंढने में सदा उलझा रहेगा, क्योंकि मनुष्य बाहर की प्रकृति की तरफ को देखता है दूसरों की तरफ को देखता है खुद के हृदय के अंदर कभी झांक कर नहीं देखता इसलिए वह यहाँ आपको कदापि तलाश नहीं करेगा। करोड़ों में कोई एक जो आपको अपने हृदय में तलाश करेगा वह आपसे शिकायत करने लायक नहीं रहेगा, क्योंकि उसकी बाहरी इच्छा शक्ति खत्म हो चुकी होगी। ईश्वर को सूर्यदेव की बात पसंद आ गई। उन्होंने ऐसा ही किया और भगवान हमेशा के लिए मनुष्य के हृदय में जाकर बैठ गए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

उस दिन से मनुष्य अपना दुख व्यक्त करने के लिए ईश्वर को मन्दिर, पर्वत पहाड़ कंदरा गुफा ऊपर, नीचे, आकाश, पाताल में ढूंढ रहा है पर वह मिल नहीं रहें हैं।परंतु मनुष्य कभी भी अपने भीतर ईश्वर को ढूंढने की कोशिश नहीं करता है। इसलिए मनुष्य 'हृदय रूपी मन्दिर' में बैठे हुए ईश्वर को नहीं देख पाता और ईश्वर को पाने के चक्कर में दर-दर घूमता है पर अपने हृदय के दरवाजे को खोल कर नहीं देख पाता। 'हृदय रूपी मंदिर' में बैठे हुए ईश्वर को देखने के लिए 'मन रूपी द्वार' का बंद होना अति आवश्यक है, क्योंकि 'मन रूपी द्वार' संसार की तरफ़ खुला हुआ है और 'हृदय रूपी मंदिर' की ओर बंद है।

अपने विचार

हमारे ही कुछ जाने-माने सांसद अपनी ही पार्टी और नेताओं की आलोचना करते रहते हैं। लेकिन हम चुपचाप सह लेते हैं। कांग्रेस में फ्रीडम ऑफ स्पीच है और फ्रीडम आफ्टर स्पीच भी है। हमारे यहां बोलने की इजाजत है। अगर आप कुछ कड़वी बात भी बोलते हैं तो सबको साथ लेकर चलने का भाव है।

-जयराम रमेश
वरिष्ठ नेता, कांग्रेस

बिना चुनाव के एक अध्यक्ष बनाया गया है और उसे वर्किंग प्रेसिडेंट का नाम दिया है। वर्किंग प्रेसिडेंट भाजपा में एक कोडवर्ड है, जिसका मतलब है कि जो नॉन वर्किंग गृह मंत्री है, वो गृह मंत्रालय चलाने के बजाय भाजपा को चलाता वही है। तो रिमोट कंट्रोल अमित शाह के हाथों में ही रहेगा।

-पवन खेड़ा
मीडिया प्रभारी, कांग्रेस

महात्मा गांधी खुद राम राज की बात करते थे और उनके अंतिम शब्द भी हे राम करते थे। हर गरीब को रोजगार मिले और उसकी गरिमा का सम्मान हो। मुझे समझ नहीं आता कि राम नाम जुड़ते ही इन लोगों को बिल से क्या आपत्ति हो गई है।

-शिवराज सिंह चौहान
कृषी मंत्री, भारत सरकार

मैं इसी मशीन से चुनकर आई हूं, इसलिए मैं ईवीएम या वीवीपैट पर सवाल नहीं उठाऊंगी। मैं मशीन के खिलाफ बात नहीं कर रही हूं। मैं एक बहुत सीमित बात रख रही हूं और भारतीय जनता पार्टी से मुझे बड़ी अपेक्षाएं हैं।

-सुप्रिया सुले
नेता, एनसीपी(शरद पवार)

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

पश्चिम रेलवे वलसाड एवं वेलांकन्नि के बीच स्पेशल ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से वलसाड एवं वेलांकन्नि स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09047 वलसाड–वेलांकन्नि स्पेशल वलसाड से शनिवार, 20 दिसंबर, 2025 को 17.45 बजे प्रस्थान करेगी तथा सोमवार को 07.30 बजे वेलांकन्नि पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09048 वेलांकन्नि – वलसाड स्पेशल वेलांकन्नि से सोमवार, 22 दिसंबर, 2025 को 22.00 बजे प्रस्थान करेगी तथा बुधवार 13.30 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वापी, वसई रोड, कल्याण, लोनावला, पुणे, सोलापुर, कलबुरगि, वाडी, यादगिर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, अदोनि, गुंतकल, गूटी, ताडिपत्रि, यर्रगुंटला, कडप्पा, राजमपेटा, रेणिगुंटा, काटपाडी, तिरुवण्णामलै, विल्लुपुरम, कडलूर पोर्ट, चिदम्बरम, मयिलाडुतुरै, कारैक्काल, नागूर और नागप्पट्टिनम स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई होम गार्ड की वर्षगांठ

भिवंडी। आपदा प्रबंधन, पुलिस सहायता, कानून व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और सामाजिक सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महाराष्ट्र होम गार्ड की 79वीं वर्षगांठ भिवंडी दस्ते द्वारा कांबे जिला परिषद विद्यालय, कांबे में धूमधाम से मनाई गई। यह कार्यक्रम जिला कमांडर होम गार्ड एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनमोल मित्तल के मार्गदर्शन और उपस्थिति में आयोजित हुआ, जिसमें विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया और विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। समारोह में बजरंग दल कार्यकर्ता संदीप भगत, सरपंच आरती भोइर, कांबे जिला परिषद स्कूल की प्रधानाध्यापिका सपना जाधव, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक व कर्मचारी, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में भिवंडी होम गार्ड दस्ते के पी. कमांडर रणजीत महादेव कांबले सहित सभी होम गार्डों ने विशेष योगदान दिया।

53वीं तहसील स्तरीय साइंस एग्ज़िबिशन का उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

सामाजिक ज़रूरतों और मौजूदा समय की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए छात्रों ने तहसील स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में अपनी रचनात्मक सोच का शानदार प्रदर्शन किया। सस्टेनेबल खेती, वेस्ट मैनेजमेंट, प्लास्टिक के विकल्प, ग्रीन एनर्जी, हेल्थ, सैनिटेशन और जल संरक्षण जैसे विषयों पर आधारित प्रोजेक्ट्स ने दर्शकों और विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया।

127 स्कूलों के छात्रों ने पेश किए इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (टीएमसी) के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 53वीं तहसील स्तरीय साइंस एग्ज़िबिशन का उद्घाटन आज ठाणे मनपा स्कूल नंबर 115, कलवा में हुआ। इस प्रदर्शनी में टीएमसी क्षेत्र के सभी म्युनिसिपल स्कूलों के साथ-साथ ग्रुप लेवल पर चयनित प्राइवेट प्राइमरी और सेकेंडरी स्कूलों सहित कुल 127 स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

शिक्षा अधिकारियों और विशेषज्ञों की मौजूदगी

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के डिप्टी कमिश्नर सचिन सांगले, मुख्य अतिथि बी. एन. बंदोदकर कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. प्रहलाद वाघ, ग्रुप ऑफिसर संगीता वामने, यूआरसी हेड्स रवींद्र पाटिल और मुश्ताक पठान, अकाउंट्स ऑफिसर चांगदेव वीर सहित कई अधिकारी, ग्रुप हेड्स और स्कूल प्रिंसिपल्स मौजूद रहे। विद्या कदम, प्रोफेसर हेमराज बराटे और सुनील जाधव ने जज के रूप में प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया।

छात्रों को वैज्ञानिक सोच के लिए किया प्रेरित

मुख्य अतिथि डॉ. प्रहलाद वाघ ने छात्रों के प्रोजेक्ट्स की सराहना करते हुए उन्हें और अधिक क्रिटिकल थिंकिंग अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं डिप्टी कमिश्नर सचिन सांगले ने रोज़मर्रा की ज़िंदगी में विज्ञान के महत्व, मानव विकास की यात्रा और तकनीक के क्षेत्र में भारत की प्रगति पर मार्गदर्शन दिया। यह साइंस एग्ज़िबिशन 17 दिसंबर तक आम जनता के लिए खुली रहेगी।

‘विकसित और आत्मनिर्भर भारत’ थीम पर आधारित प्रदर्शनी

इस वर्ष साइंस एग्ज़िबिशन की मुख्य थीम एनसीईआरटी स्टेम, नई दिल्ली की गाइडलाइंस के अनुसार “एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए स्टेम (STEM)” रखी गई थी। इसी थीम के अनुरूप छात्रों ने एंटरप्रेन्योरियल टेक्नोलॉजी, मैथमेटिकल मॉडलिंग और आधुनिक वैज्ञानिक अवधारणाओं पर आधारित प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए।

उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन के लिए महापारेषण को राष्ट्रीय सम्मान

पॉवरलाइन ट्रान्सटेक इंडिया ने 'उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन – पश्चिम क्षेत्र' पुरस्कार से किया सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी लिमिटेड (महापारेषण) ने सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन और सतत सुधार प्रक्रियाओं के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इसी उपलब्धि के लिए पॉवरलाइन ट्रान्सटेक इंडिया ने महापारेषण को “उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन – पश्चिम क्षेत्र” का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार के कुशल नेतृत्व और निदेशक (वित्त) तृप्ती मुधोळकर के मार्गदर्शन में वित्त विभाग की मुख्य महाप्रबंधक अंजू गुप्ता एवं उनकी टीम ने यह सफलता हासिल की। यह सम्मान कंपनी की मजबूत वित्तीय अनुशासन, कुशल प्रबंधन प्रणाली और पारदर्शी कार्यप्रणाली का प्रमाण है।

क्रेडिट रेटिंग और वित्तीय सुधारों का योगदान

हाल के दिनों में महापारेषण की क्रेडिट रेटिंग में हुई उल्लेखनीय वृद्धि, सटीक वित्तीय योजना और कार्यपद्धतियों में किए गए सुधारों के कारण कंपनी ने यह महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है। वित्तीय अनुशासन, निवेश प्रबंधन और सतत विकास के क्षेत्रों में कंपनी की सकारात्मक कार्यशैली को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया।

भविष्य की योजना

डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि यह सम्मान महापारेषण के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में कंपनी इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करती रहेगी और महाराष्ट्र एवं देश के ऊर्जा क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगी।

उम्मीदवारों के आवेदन और साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी

उल्हासनगर मनपा चुनाव

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

आगामी उल्हासनगर मनपा आम चुनाव को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में उल्हासनगर-3 स्थित रीजेंसी हॉल में इच्छुक उम्मीदवारों के आवेदन और साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। यह कार्यक्रम राज्य कांग्रेस सचिव व उल्हासनगर प्रभारी नवीन सिंह की मौजूदगी में संपन्न हुआ। कांग्रेस की ओर से पैनल क्रमांक 1 से 20 तक के पदों के लिए उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए, जिसमें शहरभर से सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर अपनी दावेदारी पेश की।

घोषणापत्र जारी, संगठन ने दिखाई मजबूती

साक्षात्कार प्रक्रिया में जिला अध्यक्ष रोहित साल्वे, पूर्व नगरसेवक अंजली साल्वे, प्रदेश सचिव कुलदीप आयलसिंघनी, ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धाडके, सुनील बैरानी, नानिक आहूजा, शंकर आहूजा और मनीषा महाकाले मौजूद रहे। नामांकन प्रक्रिया के बाद कांग्रेस पार्टी ने उल्हासनगर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए मनपा चुनाव का घोषणापत्र भी जारी किया। यह बैठक साफ संकेत देती है कि कांग्रेस ने शहर में चुनावी अभियान की मजबूत शुरुआत कर दी है।

एमके माधवी समेत पांच नेता शिवसेना (शिंदे) में शामिल

ठाणे: शिवसेना में फूट के बावजूद नवी मुंबई में पार्टी का नेतृत्व करने वाले मनोहर माधवी (एम. के.) समेत कुल पांच पार्षदों ने मंगलवार को शिवसेना (शिंदे समूह) में शामिल हो गए। इनमें से तीन कांग्रेस से और दो पार्टी के सदस्य थे। शिंदे गुट के सांसद नरेश म्हस्के ने नगर निगम चुनावों के मद्देनजर मंगलवार को ठाणे के टिपटॉप प्लाजा में प्रमुख पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी उपस्थित थे। इस दौरान

, ठाकरे गुट की पार्षद मनोहर माधवी (एम. के.), विनया माधवी, करण माधवी और कांग्रेस पार्षद पूनम पाटिल और अमित पाटिल सहित नवी मुंबई के पांच पार्षद शिंदे गुट में शामिल हो गए।

आईआरसीटीसी ई-कैटरिंग से ऑनबोर्ड खानपान अनुभव में सुधार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (IRCTC) की ई-कैटरिंग सेवा रेल यात्रियों के लिए यात्रा के दौरान भोजन को आसान और भरोसेमंद बना रही है। 25 सितंबर 2014 को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई यह सेवा आज एक मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म बन चुकी है। यात्री www.ecatering.irctc.co.in वेबसाइट, “फूड ऑन ट्रैक” मोबाइल ऐप, टोल-फ्री नंबर 1323 और व्हाट्सएप ऑर्डरिंग के जरिए अपनी पसंद का भोजन विश्वसनीय ब्रांडों और अधिकृत रेस्तरां से मंगा सकते हैं।

सीट पर सुरक्षित डिलीवरी, कई विकल्प

ई-कैटरिंग के तहत यात्री ऑनलाइन प्री-पेड या कैश ऑन डिलीवरी के जरिए भुगतान कर सकते हैं। ऑर्डर के बाद यात्रियों और विक्रेताओं को SMS व ई-मेल से पुष्टि मिलती है, जबकि OTP आधारित प्रणाली से भोजन सीधे सीट पर सुरक्षित रूप से पहुंचाया जाता है। वर्तमान में यह सेवा देश के 300 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध है, जहां भारतीय, दक्षिण भारतीय, चीनी, कॉन्टिनेंटल और बिरयानी जैसे लोकप्रिय व्यंजन मिलते हैं। IRCTC ने डोमिनोज़, हल्दीराम, सरवणा भवन, फासोस, वेज़ बिरयानी सहित ज़ोमैटो, स्विगी और अन्य अग्रणी एग्रीगेटर्स के साथ साझेदारी की है।

बढ़ता दायरा, बड़ी भूमिका वेस्ट ज़ोन की

ग्रुप यात्रियों के लिए 15 या उससे अधिक लोगों के बल्क ऑर्डर की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसमें कस्टमाइज़्ड मेनू और प्रतिस्पर्धी दरें दी जाती हैं। देशभर में प्रतिदिन करीब 1.20 लाख भोजन ई-कैटरिंग के जरिए बुक हो रहे हैं, जिनमें से लगभग 35 हजार बुकिंग IRCTC वेस्ट ज़ोन से होती हैं। मध्य रेल, पश्चिम रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और कोंकण रेलवे के 100 से अधिक स्टेशनों पर 200 से ज्यादा अधिकृत विक्रेताओं के जरिए यह सेवा रेल यात्रा को अधिक आरामदायक, सुविधाजनक और स्वादिष्ट अनुभव में बदल रही है।

10 अतिरिक्त सेवाओं तक बढ़ाया गया एलटीटी-धनबाद विशेष ट्रेनों का संचालन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस–धनबाद साप्ताहिक विशेष ट्रेनों के संचालन को 10 अतिरिक्त सेवाओं तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 03380 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–धनबाद साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक गुरुवार को चलती है और पहले 4 दिसंबर 2025 तक अधिसूचित थी, अब 18 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक (5 सेवाएं) संचालित की जाएगी, जबकि ट्रेन संख्या 03379 धनबाद–लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक मंगलवार को चलती है और पहले 2 दिसंबर 2025 तक अधिसूचित थी, अब 16 दिसंबर 2025 से 13 जनवरी 2026 तक (5 सेवाएं) चलाई जाएगी। इन ट्रेनों की संरचना में दो एसी 2-टियर, दो एसी 3-टियर, छह एसी 3-टियर इकोनॉमी, छह शयनयान श्रेणी, चार सामान्य द्वितीय श्रेणी, एक सामान्य द्वितीय सीटिंग सह गार्ड ब्रेक वैन तथा एक जनरेटर कार शामिल होगी। रेलवे के अनुसार ट्रेनों के समय और ठहराव में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

रईस हाईस्कूल एंड जूनियर कॉलेज की वार्षिक खेलकूद स्पर्धा का शुभारंभ

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

विद्यार्थियों ने खेलकूद में शानदार प्रदर्शन किया है और उनका यह उत्साह व प्रतिभा अत्यंत सराहनीय है, यह वक्तव्य सोमवार को रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज की वार्षिक खेलकूद स्पर्धा के रंगारंग उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि एवं रईस जूनियर कॉलेज की पूर्व छात्रा डॉ. सारा मोमिन ने व्यक्त किए। रेड, ग्रीन, ब्लू और यलो हाउस के बीच आयोजित मुकाबलों के इस भव्य आयोजन में के.एम.ई. सोसायटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन, सचिव दानियाल काजी, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे, चेयरमैन यासर तातली, स्पोर्ट्स कमेटी चेयरमैन दानिश मदू ओबैद फकीह, बासित पटेल सहित अनेक पदाधिकारी, खेलप्रेमी, अभिभावक, शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष किसी लंबे मनोरंजक प्रवास का कार्यक्रम बन सकता है। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सरकारी कामकाज में अनुकूलता रहेगी। स्थिति नियंत्रण में रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृष कोई पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। शारीरिक हानि की आशंका बनती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से दिल को ठेस पहुंच सकती है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

मिथुन गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी को भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। किसी अनहोनी की आशंका रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लापरवाही न करें। कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कामों में अनुकूलता रहेगी।

कर्क आर्थिक वृद्धि के लिए नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यकारी नए अनुबंध हो सकते हैं। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

सिंह पहले किसी व्यक्ति को दिए गए कर्ज की वसूली हो सकती है। व्यावसायिक प्रवास सफल रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। कोई नई समस्या आ सकती है। शारीरिक कष्ट भी आशंका है, लापरवाही न करें।

कन्या जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। व्यावसायिक प्रवास हो सकता है। काम में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है।

तुला रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। कार्य के प्रति उत्साह रहेगा। जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना सफल रहेगी। बड़ा लाभ हो सकता है। प्रमाद न करें। कुबुद्धि हावी रह सकती है इसलिए कोई भी निर्णय सोम-समझकर करें।

वृश्चिक कोई बड़ा खर्च अचानक सामने आ सकता है। व्यवस्था में मुश्किल होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। गुस्से पर काबू रखें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। धनहानि की आशंका बन सकती है। व्यापार ठीक चलेगा।

धनु पहले किए गए प्रयास का लाभ अब मिलेगा। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे। निवेश शुभ फल देगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मकर कामकाज में अधिक ध्यान देगा पड़ेगा। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। समय पर काम नहीं होने से तनाव रहेगा। गुस्से पर काबू रखें। व्यापार-व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे।

कुंभ आय में सुगमता रहेगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता बढ़ेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आनंद और उल्लास के साथ जीवन व्यतीत होगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मीन किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें। बेवजह विवाद हो सकता है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे।

गुरुवार का हल्दी उपाय: आर्थिक तंगी से मुक्ति और समृद्धि की ओर बढ़ता जीवन

जब घर में लगातार पैसों की किल्लत बनी रहे, मेहनत के बाद भी धन टिकता न हो और खर्चे कम होने का नाम न लें, तो व्यक्ति भीतर से टूटने लगता है। ऐसे समय में सनातन परंपरा केवल कर्म की नहीं, बल्कि सही समय, सही विधि और सही भाव से किए गए उपायों की भी बात करती है। गुरुवार का दिन इसी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। शास्त्रों के अनुसार गुरुवार का संबंध देवगुरु बृहस्पति से है, जो ज्ञान, धर्म, धन, सौभाग्य और विस्तार के कारक ग्रह हैं। पीला रंग, हल्दी और विष्णु उपासना—ये सभी बृहस्पति की ऊर्जा को जागृत करने वाले तत्व माने गए हैं।

हल्दी केवल रसोई में उपयोग होने वाला मसाला नहीं है, बल्कि भारतीय परंपरा में इसे पवित्रता, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना गया है। जब गुरुवार के दिन जल में हल्दी मिलाकर विशेष विधि से उपयोग किया जाता है, तो यह उपाय केवल बाहरी नहीं रहता, बल्कि घर और व्यक्ति—

प्रियंका जैन
9769994439

दोनों के ऊर्जा क्षेत्र को प्रभावित करता है। गुरुवार की सुबह स्नान कर स्वच्छता और सात्त्विक भाव के साथ पीले वस्त्र धारण करना, मन को पहले ही सकारात्मक दिशा में ले जाता है। इसके बाद भगवान विष्णु का स्मरण या पूजन करने से साधक का भाव स्थिर होता है और उपाय का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

पूजा के पश्चात एक गिलास या लोटे में स्वच्छ जल लेकर उसमें थोड़ी सी हल्दी मिलाई जाती है और इस जल को घर के मुख्य द्वार पर छिड़का जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में रुकी हुई सकारात्मक ऊर्जा सक्रिय होती है और नकारात्मक प्रभाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगते हैं। जिन घरों में बिना कारण तनाव, कलह या बेचैनी बनी रहती है, वहाँ यह उपाय विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। नियमित रूप से हर गुरुवार यह प्रक्रिया करने से वातावरण शांत होता है और परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य बढ़ता है।

यदि व्यक्ति स्वयं मानसिक दबाव, रुकावटों या अस्थिरता का अनुभव कर रहा हो, तो गुरुवार के स्नान जल में हल्दी मिलाकर स्नान करना भी शुभ माना गया है। यह उपाय केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्तर पर भी व्यक्ति को हल्का करता है। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार इससे गुरु ग्रह की कमजोरी दूर होती है और व्यक्ति के चारों ओर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होने लगता है। जिन लोगों के विवाह, करियर या जीवन की स्थिरता में बार-बार अड़चनें आती हैं, उनके लिए यह उपाय विशेष सहायक माना गया है।

धन और समृद्धि की कामना रखने वालों के लिए गुरुवार का एक और प्रभावशाली उपाय बताया गया है। स्नान और पूजा के बाद हल्दी मिले जल को तुलसी के पौधे पर अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। तुलसी को माता लक्ष्मी का स्वरूप कहा गया है और विष्णु भक्ति में तुलसी का विशेष स्थान है। जब इस विधि को श्रद्धा और नियमितता के साथ किया जाता है, तो व्यक्ति के जीवन में आर्थिक स्थिरता आने लगती है। मान्यता है कि इससे आय के नए स्रोत खुलते हैं और धन का अनावश्यक अपव्यय रुकने लगता है। गुरुवार को केले के वृक्ष की पूजा और हल्दी मिले जल से उसका अभिषेक भी विशेष फलदायी माना गया है। केले का वृक्ष बृहस्पति और भगवान विष्णु—दोनों से जुड़ा हुआ माना जाता है। इस उपाय से करियर में आ रही रुकावटें धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं और कार्यक्षेत्र में सम्मान, तरक्की और नए अवसर मिलने लगते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

जिप्सी रजिस्ट्रेशन गाइडलाइन पर हाईकोर्ट की रोक

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने कार्बेट नेशनल पार्क में जिप्सी पंजीकरण को लेकर बनाई गई गाइडलाइन पर रोक लगा दी है। न्यायालय ने राज्य सरकार समेत सभी पक्षकारों से चार सप्ताह के भीतर जवाब तलब करते हुए पार्क निदेशक को जिप्सी पंजीकरण की तिथि बढ़ाने और पात्र सभी संचालकों को अवसर देने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने यह आदेश जिप्सी संचालकों की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि नई गाइडलाइन के तहत कुछ श्रेणी के जिप्सी स्वामियों को ही लाभ दिया जा रहा है, जिससे अन्य वैध परमिटधारी संचालक रोजगार से वंचित हो रहे हैं। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया इस व्यवस्था पर रोक लगाते हुए मामले की अगली सुनवाई तय की है।

नीतीश कैबिनेट ने सात निश्चय-3 को दी मंजूरी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बिहार कैबिनेट बैठक में सात निश्चय योजना 3.0 को मंजूरी दे दी गई। इसका उद्देश्य बिहार को देश के विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सात निश्चय-3 के तहत अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं के लिए रोजगार सृजन, महिलाओं को स्वरोजगार सहायता, औद्योगिक निवेश बढ़ाने, कृषि आय में वृद्धि, शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने, आधारभूत संरचना के विस्तार और सुशासन को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाएगा। योजना के अंतर्गत 50 लाख करोड़ रुपये तक निजी निवेश आकर्षित करने, नई एक्सप्रेस-वे सड़कों के निर्माण, कृषि रोड मैप को गति देने, मेडिकल व शिक्षा संस्थानों के विकास और आधुनिक शहरी विस्तार की परिकल्पना की गई है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि सात निश्चय-3 के प्रभावी क्रियान्वयन से विकसित बिहार का लक्ष्य साकार होगा।

ऊर्जा विभाग में चयनित 2390 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को विद्युत भवन में आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग के अंतर्गत बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कंपनी लिमिटेड एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों में चयनित 2390 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इनमें 1810 तकनीशियन, 512 लिपिक और 68 भंडार सहायक शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने नवचयनित कर्मियों से निष्ठा और लगन से कार्य करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार और नौकरी देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी व रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। कार्यक्रम के दौरान राज्य में पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे लगभग 13 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इससे पूर्व स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण कर विद्युत व्यवस्था की जानकारी भी ली।

घने कोहरे में तेज रफ्तार का कहर
31 की मौत, 13 जिंदा जले

- यमुना एक्सप्रेसवे पर आपस में टकराईं गाड़ियों में लगी आग से जिंदा जले यात्री
- पहचान भी मुश्किल, डीएनए टेस्ट करवाने की तैयारी, हेल्प लाइन नंबर जारी

मथुरा/उन्नाव/बस्ती/बागपत/बाराबंकी। कोहरे की बढ़ती रफ्तार ने मंगलवार को यूपी में जमकर कहर बरपाया। वाहनों की रफ्तार ने कोहरे में ऐसा कहर बरपाया कि एक-एक कर हुए आधा दर्जन से अधिक हादसों में 31 लोगों की मौत हो गई। यह हादसे सोमवार देर रात बाद से मंगलवार को दिन में हुए। 31 लोगों की मौत के साथ कुल 87 लोग घायल भी हुए हैं। सबसे भीषण हादसा में मथुरा जिले में एक्सप्रेसवे पर हुआ है। यहां वाहनों के आपस में टकराने के बाद आग लगने से 13 लोग जिंदा जल गए। इसके अलावा बस्ती और उन्नाव जिले में चार-चार और लखनऊ, बागपत व बहराइच में दो-दो, नोएडा, मीरजापुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र जिले में एक-एक लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना में जानहानि पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की हैं। और कई घटनाओं में मुआवजे का भी ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने घायलों के बेहतर इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देशित भी किया है। मथुरा जिले के बलदेव थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के 127 किलोमीटर माइलस्टोन के पास मंगलवार तड़के कोहरे की वजह से कई वाहन आपस में टकरा गई। टक्कर के बाद सात बसों और तीन कारों में आग लग गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को मथुरा और वृंदावन के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। भीषण आग से शव बुरी तरह जल गए हैं, जिनकी पहचान होना मुश्किल है। प्रशासन ने मृतकों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराने की व्यवस्था की है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर चार की मौत

जनपद उन्नाव में बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र स्थित आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। बांगरमऊ सीओ संतोष सिंह ने बताया कि फार्च्यूनर कार टायर फटने से बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जिनकी पहचान गाजियाबाद निवासी अशोक अग्रवाल (57), आकाश अग्रवाल (35), अभिनव अग्रवाल (20) के रूप में हुई है। एक मृतक की अभी पहचान नहीं हो पायी है।

बस्ती में ट्रक और बस के बीच भिड़ंत

बस्ती जिले में कोतवाली क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार देर रात को एक ट्रक और बस की टक्कर हो गई। हादसे में बस्ती निवासी अब्दुल्ला (60), मुख्तार अली (75), बस चालक संदीप पांडेय (32) और ट्रक चालक शिवराज सिंह की मौत हो गई। इस हादसे में 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। डीआईजी संजीव त्यागी ने बताया कि संतकबीर नगर से एक प्राइवेट बस यात्रियों को लेकर अजमेर शरीफ के उर्स में शामिल होने जा रही थी। बस में करीब 60 लोग सवार थे। कोतवाली थाना क्षेत्र में हरदिया के पास सोमवार देर रात हादसा हो गया।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसा

बाराबंकी जिले में मंगलवार को कोहरे के चलते दो वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी हैदरगढ़ अभिमन्यु मल्ल ने बताया कि मृतकों की पहचान बिहार राज्य के छपरा के ग्राम बाहुहारा निवासी बबलू (35) और यूपी के आजमगढ़ लालगंज हनुमानगढ़ निवासी दीपक कुमार (36) के रूप में हुई है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आया बाइक सवार

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी दो सड़क हादसे हुए हैं। पहली घटना रहीमाबाद थाना क्षेत्र स्थित लखनऊ-हरदोई रोड पर रियाज ढाबे के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल सवार माल कस्बा निवासी प्रिंस यादव की मौत हो गई। दूसरा व्यक्ति अरुण घायल है। वहीं, एक अन्य घटना मे सोमवार की देर रात को महिगवा थाना क्षेत्र के उमरावां चौराहा के पास दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान इटौंजा थाना क्षेत्र के रामनाथ उर्फ कोटे के रूप में हुई है।

सूबे के इन जनपदों में हुए सड़क हादसे

इसी तरह सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर सड़क किनारे खड़ी पिकअप में पीछे से एक अनियंत्रित कार ने टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार ओरियंटल इन्श्योरेंस राबर्ट्सगंज के शाखा प्रबंधक वाराणसी के पांडेयपुर निवासी सत्य प्रकाश गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र में लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर बभनमई गांव के पास बीती देर जेसीबी और बाइक की टक्कर में बबलू गौतम की मौत हो गई।

वाराणसी पुलिस की गिरफ्त में आया कुख्यात अजय उर्फ विजय

लूट, हत्या समेत कई गंभीर धाराओं वाले 15 से अधिक मामलों में है आरोपी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने वाराणसी में एक बड़े शातिर अपराधी को धर दबोचा है। सारनाथ पुलिस ने मंगलवार सुबह अजय उर्फ विजय को गिरफ्तार किया, जिस पर लूट, हत्या और अन्य अपराधों के 15 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। यह गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। सारनाथ थाना अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि अजय उर्फ विजय का नाम 13 सितंबर 2007 को वाराणसी के पांडेयपुर में सरकारी चिकित्सक डॉ. डीपी सिंह की हत्या के मामले में सामने आया था। इसके अलावा, वर्ष 2012 में गाजीपुर के सैदपुर में उसने सराफा कारोबारी भाइयों को गोली मारकर लाखों की लूट की थी।

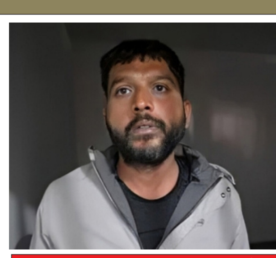

एक लाख रुपये घोषित था इनाम

अजय को अप्रैल 2013 में वाराणसी कैंट पुलिस ने 9 एमएम पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया था, लेकिन कुछ महीनों बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। सितंबर 2022 में उसने चंदौली की अदालत में गैंगस्टर के पुराने मामलों में सरेंडर किया था, उस समय उस पर एक लाख रुपये का इनाम था। इसके अलावा, 2 मई 2022 को अजय ने प्रॉपर्टी डीलर और टीटीई विजयशंकर सिंह को विवाद के दौरान गोली मारी थी, जिसके खिलाफ भी मामला दर्ज है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है और अन्य लंबित मामलों में आगे की कार्रवाई जारी है।

बिजनौर में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट मजदूर की मौत

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में मंगलवार सुबह एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में एक मजदूर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह घटना थाना नजीबाबाद क्षेत्र में कोतवाली मार्ग पर जलालाबाद के मोहल्ला मुनीरगंज में स्थित शिफा फायर वर्क्स में हुई। बताया गया कि फैक्ट्री में गंधक-पोटाश छानने के दौरान अचानक जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि 35 वर्षीय मजदूर सुधीर कुमार, निवासी गांव पाडला (थाना किरतपुर) का सिर और धड़ अलग हो गया।

मठों पर टैक्स नोटिस के विरोध में लिखी राम पाती

- महंत बालक दास ने नोटिस के विरोध में साधु-संतों से की अपील

वाराणसी। वाराणसी में महंत बालक दास ने नगर निगम द्वारा मठों पर जारी किए गए गृह कर, जलकर और सीवर टैक्स नोटिस के विरोध में 20 हजार साधु-संतों को एकजुट होने के लिए राम पाती भेजी है। महंत बालक दास ने बताया कि इस पत्र के माध्यम से वे साधु-संतों को मठों पर लगाए जा रहे टैक्स के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान कर रहे हैं। महंत बालक दास ने कहा कि प्रदेश में सरकार का रवैया असंतोषजनक है। जहां मदरसों को लाभ मिल रहा है, वहीं मठों को नोटिस भेजकर परेशान किया जा रहा है, यहां तक कि कुर्की की धमकी भी दी गई है।

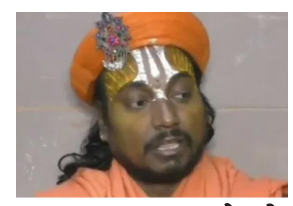

आश्रम व मठों से मांगा गया टैक्स

महंत ने आगे बताया कि हाल ही में वाराणसी के संतों की बैठक में यह पता चला कि कई अन्य मठों को भी नगर निगम ने गृह कर नोटिस जारी किया है। नोटिस का अधिकांश साधु-संतों ने कोई उत्तर नहीं दिया। इस नोटिस में आश्रमों और मठों के गृह कर की मांग की गई है, जबकि यह मकान नहीं, बल्कि साधु-संतों का आश्रम है।

व्यापार जगत

AI और हेल्थ के लिए गूगल देगा 8.4 मिलियन डॉलर

भारत में एआई इकोसिस्टम और स्वास्थ्य माडल के विकास में होगा प्रयोग

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विकास को गति देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और टिकाऊ शहरों से जुड़े एआई उत्कृष्टता केंद्रों के लिए 8 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। इसके साथ ही भारत के स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए 4 लाख अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता भी जताई गई है। गूगल की ओर से जारी बयान के अनुसार, कंपनी स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों में बहुभाषी एआई-संचालित अनुप्रयोगों के समर्थन के लिए वधवानी एआई को 45 लाख अमेरिकी डॉलर उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा भारतीय भाषाओं पर आधारित समाधान विकसित करने के लिए ज्ञानीडॉटएआई, कोरोवरडॉटएआई और भारतजेन को 50-50 हजार अमेरिकी डॉलर का अनुदान देने का निर्णय लिया गया है।

वहीं भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के शोधकर्ता और चिकित्सक व्यापक नैदानिक उपयोग के लिए एआई मॉडल की संभावनाओं पर काम करेंगे।

हेल्थ को चार लाख अमेरिकी डालर

कंपनी ने कहा कि भारत के स्वास्थ्य मॉडल के निर्माण के लिए 'मेडजेम्मा' तकनीक का उपयोग करने वाले नए सहयोगों के तहत 4 लाख अमेरिकी डॉलर का समर्थन दिया जाएगा। इसके अंतर्गत अजना लेंस और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञ मिलकर त्वचा रोग विज्ञान और ओपीडी ट्राइएजिंग के लिए भारत-विशिष्ट एआई मॉडल विकसित करेंगे।

आईआईटी मुंबई को भी मदद की घोषणा

गूगल ने अपने समावेशी एआई एजेंडा को आगे बढ़ाते हुए आईआईटी मुंबई में भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए 20 लाख अमेरिकी डॉलर का प्रारंभिक योगदान देने की भी घोषणा की है। कंपनी के मुताबिक इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई में हो रही वैश्विक प्रगति भारत की भाषाई विविधता के अनुरूप और उसके हित में हो।

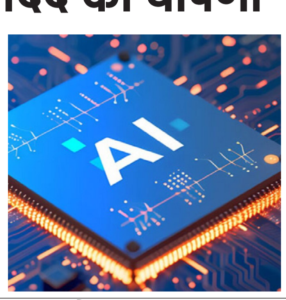

सात महीने के निचले स्तर 4.7% पर बेरोजगारी दर

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली। देश के श्रम बाजार से राहत भरी खबर सामने आई है। 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में बेरोजगारी दर नवंबर महीने में घटकर 4.7 प्रतिशत रह गई है, जो पिछले सात महीनों का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले अक्टूबर में बेरोजगारी दर 5.2 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से नवंबर के बीच पुरुषों, महिलाओं और कुल श्रमिकों तीनों वर्गों में बेरोजगारी दर में लगातार और व्यापक आधार पर गिरावट दर्ज की गई है। नवंबर में ग्रामीण बेरोजगारी दर घटकर 3.9 प्रतिशत के नए निचले स्तर पर आ गई, जबकि शहरी बेरोजगारी दर 6.5 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में दर्ज स्तर के बराबर है। मंत्रालय के मुताबिक महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर नवंबर में घटकर 4.8 प्रतिशत रह गई, जो अक्टूबर में 5.4 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला बेरोजगारी दर 4.0 प्रतिशत से घटकर 3.4 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 9.7 प्रतिशत से घटकर 9.3 प्रतिशत हो गई। वहीं पुरुषों के बीच बेरोजगारी दर नवंबर में 4.6 प्रतिशत दर्ज की गई, जो अक्टूबर में 5.1 प्रतिशत थी। ग्रामीण और शहरी पुरुष बेरोजगारी दर क्रमशः 4.1 प्रतिशत और 5.6 प्रतिशत रही।

श्रम बाजार की स्थिति में सुधार का संकेत

मंत्रालय ने कहा कि बेरोजगारी दर में यह गिरावट श्रम बाजार की स्थिति में सुधार का संकेत देती है। इसके पीछे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ना, महिलाओं की श्रम बाजार में भागीदारी में वृद्धि और शहरी क्षेत्रों में श्रम मांग में क्रमिक सुधार प्रमुख कारण रहे। आंकड़ों के अनुसार श्रमिक-जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में भी सुधार देखने को मिला है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अप्रैल 2025 के 55.4 प्रतिशत से बढ़कर नवंबर में 56.3 प्रतिशत हो गया, जबकि इसी अवधि में कुल डब्ल्यूपीआर 52.8 प्रतिशत से बढ़कर 53.2 प्रतिशत पर पहुंच गया।

WEF की बैठक में जाएंगे पांच सीएम और तीन मंत्री

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड के दावोस में अगले वर्ष आयोजित होने वाली विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भारत की मजबूत भागीदारी देखने को मिलेगी। जनवरी में होने वाली इस बैठक में भारत की ओर से तीन केंद्रीय मंत्री, पांच मुख्यमंत्री और देश के 100 से अधिक शीर्ष उद्योगपति हिस्सा लेंगे। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ओर से मंगलवार को जारी जानकारी के अनुसार दावोस में 19 से 23 जनवरी के बीच पांच दिवसीय वार्षिक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इसमें 130 देशों से करीब तीन हजार वैश्विक नेता शामिल होंगे, जिनमें 60 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान और प्रह्लाद जोशी करेंगे। वहीं राज्यों की ओर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी बैठक में भाग लेंगे।

हेल्थकेयर कंपनी का IPO 22 दिसंबर से

प्राइस बैंड 108–114 रुपये निर्धारित, 250 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

मुंबई। गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशियलिटी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 22 दिसंबर को निवेशकों के लिए खुलेगा। इसमें 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। कंपनी ने आईपीओ के लिए 108 से 114 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। प्रति शेयर अंकित मूल्य (फेस वैल्यू) 2 रुपये रखी गई है। कुल 250.8 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में 2.20 करोड़ शेयरों का पूर्णतः फ्रेश इश्यू शामिल है। इसमें किसी भी तरह का ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) नहीं होगा। इस निर्गम के माध्यम से कंपनी लगभग 250 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के तहत निवेशकों को न्यूनतम 128 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा। यह इश्यू 22 दिसंबर को खुलेगा और 24 दिसंबर को बंद होगा।

Gujarat Superspeciality Hospital

गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशियलिटी लिमिटेड गुजरात के मध्य क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख क्षेत्रीय हेल्थकेयर कंपनी है। यह सेकेंडरी और टर्शियरी केयर सेवाओं पर केंद्रित मध्यम आकार के मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों की श्रृंखला संचालित करती है।

कोल इंडिया के चेयरमैन बी. साईराम ने कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। बी. साईराम ने सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी कोयला कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पूर्व वह नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत थे। कोल इंडिया ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में इसकी जानकारी दी।

फिसला बाजार, निवेशकों को 3.33 लाख करोड़ का झटका

घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन दर्ज की गई गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। कमजोर वैश्विक संकेतों और बिकवाली के दबाव के चलते सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। बाजार में आई इस गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में करीब 3.33 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। शुरुआती सत्र में थोड़ी देर के लिए खरीदारी का सहारा मिला, लेकिन जल्द ही बिकवाली हावी हो गई। इसके चलते पूरे दिन बाजार दबाव में रहा। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 533.50 अंक यानी 0.63 प्रतिशत गिरकर 84,679.86 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 167.20 अंक यानी 0.64 प्रतिशत फिसलकर 25,860.10 अंक पर आ गया।

सेक्टोरल दबाव हावी

दिन भर के कारोबार में ऑयल एंड गैस, मेटल, बैंकिंग, आईटी और रियल्टी शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखी गई। ऑटो, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और पीएसयू शेयर भी नुकसान में रहे। हालांकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेलीकॉम सेक्टर में सीमित खरीदारी देखने को मिली।

निवेशकों की संपत्ति घटी

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण घटकर 467.70 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) रह गया, जो पिछले कारोबारी दिन 471.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह एक ही दिन में निवेशकों को करीब 3.33 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

DBD
दो बजे दोपहर

इंडिया&वर्ल्ड
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई, बुधवार, 17 दिसंबर 2025

वोटर लिस्ट से कटे 58 लाख नाम

- चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत जारी की लिस्ट
- सबसे ज्यादा 74,553 वोटर के नाम चौरंगी में कटे

एजेंसी । नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की विशेष गहन पुनरीक्षण की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी है। राज्य में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इनमें 24 लाख 16 हजार 852 नाम मृत वोटरों के हैं। 19 लाख 88 हजार 76 वोटर ऐसे हैं जो स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए हैं। इसके अलावा 12 लाख 20 हजार 38 वोटर लापता, 1 लाख 38 हजार 328 डुप्लिकेट या फर्जी, और 57 हजार 604 नाम अन्य कारणों से हटाने के प्रस्ताव में हैं। जिनका नाम हटाया गया है, वे फॉर्म-6 भरकर दस्तावेजों के साथ दावा कर सकते हैं। इसके साथ ही घर-घर जाकर जानकारी जुटाने का काम पूरा हो गया है। अब आगे दावा, आपत्ति और सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होगी। SIR का दूसरा चरण फरवरी 2026 तक चलेगा और अंतिम वोटर लिस्ट 14 फरवरी 2026 को जारी होगी।

नंबर गेम

- 24 लाख से अधिक 'मृत' मतदाता
- 12 लाख से अधिक मतदाता जो अपने पंजीकृत पते पर नहीं मिले
- 20 लाख मतदाता अपने पिछले निर्वाचन क्षेत्रों में नहीं रह रहे
- 1.38 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में 2 बार दर्ज हैं
- 57,000 से अधिक मतदाताओं के नाम गणना के दौरान सामने आयी अन्य जटिलताओं के आधार पर हटाए गये
- 7,08,16,631 मतदाताओं के नाम हो सकते हैं मसौदा मतदाता सूची में

नंदीग्राम में 10,599 मतदाताओं के नाम काटे गये

भवानीपुर, जहां से ममता बनर्जी चुनी गयीं हैं, में 44,787 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिये गये हैं। वहीं, नंदीग्राम विधानसभा सीट, जहां से ममता बनर्जी ने वर्ष 2021 का चुनाव लड़ा था, में 10,599 वोटर्स के नाम मतदाता सूची से काट दिये गये हैं। नंदीग्राम में भाजपा के टिकट पर शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को पराजित किया था।

बंगाल के बड़े नेता और ऐसे क्षेत्र जहां सबसे ज्यादा मतदाताओं के नाम काटे गये

नेता का नाम	विधानसभा क्षेत्र	हटाये गये वोटर की संख्या
ममता बनर्जी	भवानीपुर	44,787
शुभेंदु अधिकारी	नंदीग्राम	10,599
नयना बंद्योपाध्याय	चौरंगी	74,553
फिरहाद हकीम	कोलकाता पोर्ट	63,730
अरूप विश्वास	टॉलीगंज	35,309
ब्रात्य बसु	दमदम	33,862
चंद्रिमा भट्टाचार्य	उत्तर दमदम	33,912
इंद्रनील सेन	चंदननगर	25,478

चौरंगी विधानसभा क्षेत्र में कटे सबसे ज्यादा वोटर के नाम

भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में जनवरी 2025 में 2,06,295 मतदाता सूचीबद्ध थे। इनमें से 44,787 नाम हटा दिये गये। नंदीग्राम में 2,78,212 मतदाताओं में से 10,599 के नाम काट दिये गये। पश्चिम बंगाल के 294 विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक 74,553 मतदाताओं के नाम उत्तर कोलकाता के चौरंगी में काटे गये हैं। इस विधानसभा का नेतृत्व तृणमूल कांग्रेस की नेता नयना बंद्योपाध्याय करतीं हैं।

फिरहाद हकीम के क्षेत्र में 63,730 मतदाता नहीं दे सकेंगे वोट

पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम के निर्वाचन क्षेत्र कोलकाता पोर्ट से 63,730 नाम हटाये गये हैं। मंत्री आरूप विश्वास के चुनाव क्षेत्र टॉलीगंज में 35,309 नाम हटाये गये हैं। जिन अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाये गये हैं, उनमें शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु का निर्वाचन क्षेत्र दमदम (33,862 नाम), वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के चुनाव क्षेत्र उत्तर दमदम (33,912 नाम) और मंत्री इंद्रनील सेन के निर्वाचन क्षेत्र चंदननगर (25,478 नाम) शामिल हैं।

जिला स्तर पर सबसे अधिक नाम दक्षिण 24 परगना में हटाये गये

जिला स्तर पर सबसे अधिक 8,16,047 नाम दक्षिण 24 परगना में हटाये गये। मतदाता सूची में इस व्यापक संशोधन की तुलना बिहार से की जा रही है, जहां इस वर्ष की शुरुआत में इसी तरह की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम मसौदा सूची से बाहर कर दिये गये थे। राजनीतिक दलों ने इसका जोरदार विरोध किया था।

गोवा क्लब अग्निकांड

थाइलैंड से दिल्ली लाए गए लूथरा ब्रदर्स

- गोवा पुलिस ने एयरपोर्ट से किया गिरफ्तार
- 25 लोगों की मौत के बाद भागे थे थाइलैंड

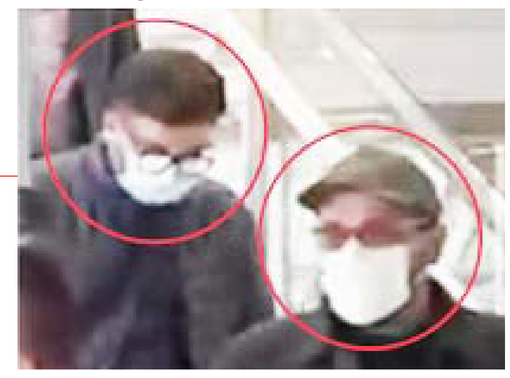

एजेंसी । पणजी

गोवा के नाइट क्लब 'बिर्च बाय रोमियो लेन' अग्निकांड मामले में मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाइलैंड से दिल्ली लाया गया है। भारतीय सुरक्षा अधिकारी दोनों भाइयों के साथ मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरे। दिल्ली एयरपोर्ट पर गोवा पुलिस की एक टीम ने दोनों को एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तार कर लिया। अब उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड के लिए पेश किया जाएगा। ट्रांजिट रिमांड की इजाजत मिलते ही पुलिस दोनों को लेकर गोवा जाएगी।

बिर्च नाइट क्लब के मालिक हैं लूथरा ब्रदर्स

सौरभ और गौरव लूथरा बिर्च नाइट क्लब के मालिक हैं। क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई थाईलैंड भाग गए थे। थाईलैंड पुलिस ने 11 दिसंबर को फुकेट में दोनों भाइयों को हिरासत में लिया। आज सुबह उन्हें बैंकॉक से भारत डिपोर्ट किया गया था। सूत्रों के अनुसार, 9 दिसंबर को थाई अधिकारियों को पता चला कि भारतीय सुरक्षा एजेसियां जिन भाइयों को ढूंढ रही है, वे फुकेट में छिपे हैं। भारतीय एजेंसियों से इनपुट मिलने के बाद थाई अधिकारियों ने पहले ही होटलों पर नजर रखनी शुरू कर दी थी। 11 दिसंबर को जब दोनों भाई होटल से बाहर खाना खाने के लिए निकले तो थाई इमिग्रेशन और पुलिस अधिकारियों ने उनकी पहचान और यात्रा की डिटेल्स वेरिफाई कीं और पकड़ लिया।

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली में प्रदूषण सर्टिफिकेट के बिना नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को भी जहरीले स्मॉग की परत छाई रही। इसको लेकर पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा कि गाड़ी की वैध PUC यानी प्रदूषण सर्टिफिकेट के बिना 18 दिसंबर से डीजल-पेट्रोल नहीं मिलेगा। दिल्ली में दूसरे राज्यों के BS-6 गाड़ियों के अलावा सभी गाड़ियों की एंट्री बंद कर दी गई है। कंस्ट्रक्शन पर पूरी तरह रोक लगाई है, कंस्ट्रक्शन का समान ले जा रहे वाहनों के चालान किए जाएंगे। सिरसा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्लीवासियों से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि नई सरकार हर दिन हवा की गुणवत्ता (AQI) सुधारने का काम कर रही है और यह कोशिश कर रही है कि AAP की छोड़ी गई प्रदूषण की समस्या को ठीक किया जाए। इससे पहले सरकार ने सोमवार को 5वीं तक के स्कूल ऑनलाइन और 11वीं तक के स्कूल हाइब्रिड मोड पर चलाने का आदेश दिया है। वहीं, चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने वकीलों और पक्षकारों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हाइब्रिड मोड के जरिए पेश होने की सलाह दी है।

डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

नई दिल्ली। देश में डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। स्वतः संज्ञान याचिका पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली पीठ ने कहा कि नागरिकों को डिजिटल ठगी से बचाने के लिए व्यापक नियम और प्रभावी तंत्र की आवश्यकता है। कोर्ट ने अन्य हस्तक्षेप याचिकाओं को दाखिल करने की अनुमति नहीं दी, लेकिन 76 वर्षीय महिला की याचिका स्वीकार की, जिसने डिजिटल घोटाले में अपनी जीवनभर की बचत खो दी थी। एमाइकस ने बताया कि कुछ हाईकोर्ट्स ने निर्देश दिए हैं कि पीड़ितों को नई प्राथमिकी दर्ज करने की जरूरत नहीं है। वे पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके आधार पर आरोपियों से ठगी गई रकम और संपत्ति का पता लगाया जाएगा।

जस्टिस यशवंत वर्मा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा और राज्यसभा को जारी किया नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा द्वारा दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों के महासचिवों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामला उनके दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास में आग बुझाने के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद शुरू हुए महाभियोग प्रस्ताव से जुड़ा है।

रोहतगी का तर्क: संयुक्त समिति अनिवार्य

जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि संसदीय समिति का गठन संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 तथा न्यायाधीशों (जांच) अधिनियम, 1968 के प्रावधानों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि जब महाभियोग प्रस्ताव दोनों सदनों में एक ही दिन दिया और स्वीकार किया गया हो, तो समिति का गठन लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना अनिवार्य है, न कि केवल लोकसभा अध्यक्ष द्वारा।

पूरा मामला: आग, नकदी और महाभियोग की सिफारिश

यह मामला 14 मार्च की रात का है, जब जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास के स्टोररूम में आग लगने के बाद दमकल और पुलिस ने जले हुए नोटों के बंडल मिलने का दावा किया था। इस घटना की जांच के लिए तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश ने तीन उच्च न्यायालयों के जजों की समिति बनाई थी, जिसने आरोपों की पुष्टि करते हुए महाभियोग की सिफारिश की। इसके बाद संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया और संसदीय समिति का गठन किया गया, जिसे अब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

लोकसभा अध्यक्ष के फैसले को दी गई चुनौती

जस्टिस वर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष द्वारा न्यायाधीशों (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत गठित संसदीय समिति की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। लोकसभा अध्यक्ष ने महाभियोग प्रस्ताव स्वीकार करते हुए इस समिति का गठन किया था, जिसे जस्टिस वर्मा ने असंवैधानिक बताया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मामले में लोकसभा अध्यक्ष और दोनों सदनों के महासचिवों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस याचिका पर अगली सुनवाई की तारीख 7 जनवरी, 2026 तय की है।

तनाव में जवान

11 साल में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में 23000 कार्मियों का इस्तीफा

- वर्ष 2025 में अब तक सामने आए 3077 इस्तीफे

नई दिल्ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) में पिछले 11 वर्षों के दौरान 23,360 से अधिक कर्मियों ने सेवा से इस्तीफा दिया है। इसमें सबसे ज्यादा इस्तीफे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) से 7,493, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से 7,456 और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से 4,137 दर्ज किए गए हैं। केवल वर्ष 2025 में अब तक 3,077 इस्तीफे सामने आ चुके हैं, जिनमें 1,157 अकेले बीएसएफ से हैं।

तीन साल में 438 आत्महत्याएं

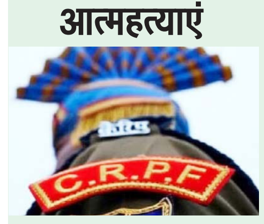

बीते तीन वर्षों में सीएपीएफ में आत्महत्या के कुल 438 मामले सामने आए हैं। वर्ष 2023 में 157 जवानों ने आत्महत्या की, जबकि 2025 में यह संख्या 133 रही। इसके अलावा आपसी हत्या की घटनाएं भी चिंता का विषय बनी हैं—2023 में दो, 2024 में एक और 2025 में चार मामले दर्ज किए गए।

ड्यूटी घंटे और अवकाश की व्यवस्था

गृह राज्य मंत्री ने संसद को बताया कि सीएपीएफ कर्मी सामान्यतः आठ घंटे की शिफ्ट में काम करते हैं, हालांकि परिचालन जरूरतों के आधार पर ड्यूटी के घंटे बदल सकते हैं।

ढाई साल के भीतर 2800 किसानों ने की आत्महत्या

बेंगलुरु। कर्नाटक में वर्ष 2023-24 से अब तक कुल 2,809 किसानों ने आत्महत्या की है, जिससे राज्य किसानों की आत्महत्या के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर है। यह जानकारी राज्य के कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी ने बेलगावी में चल रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान भाजपा विधायक अरविंद बेल्लाड के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। मंत्री के अनुसार, 2023-24 में 1,254, 2024-25 में 1,178, जबकि 2025-26 (अब तक) 377 किसानों की आत्महत्या दर्ज की गई है।

हावेरी में सबसे अधिक 297 मामले सामने आए

कृषि मंत्री ने बताया कि बीते तीन वर्षों की तुलना में आत्महत्याओं के मामलों में कुछ कमी आई है, हालांकि स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। जिलावार आंकड़ों में हावेरी में सबसे अधिक 297 मामले सामने आए हैं। इसके बाद बेलगावी (259), कलबुर्गी (234), धारवाड़ (195) और मैसुरु (190) जिलों में किसानों की आत्महत्या के मामले दर्ज किए गए।

सरकार की सहायता और लंबित मामले

सरकार द्वारा प्रभावित किसान परिवारों को वित्तीय सहायता भी दी गई है। 2023-24 में 1,081 पात्र परिवारों को 54 करोड़ रुपये, 2024-25 में 896 परिवारों को 44.8 करोड़ रुपये, जबकि 2025-26 में (नवंबर तक) 193 परिवारों को 9.65 करोड़ रुपये की सहायता वितरित की गई है।

सभी राज्य और यूटी में बनाई जाएगी एनआईए की विशेष अदालत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों की तेज सुनवाई के लिए हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक समर्पित अदालत बनाई जाएगी। जहां 10 से ज्यादा एनआईए केस हैं, वहां एक से अधिक अदालतें होंगी। केंद्र ने यह जानकारी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दी। दिल्ली सरकार ने भी कोर्ट को बताया कि राजधानी में संगठित अपराध और आतंकवाद से जुड़े मामलों के लिए 16 विशेष अदालतें बनाई जा रही हैं।

बंगाल के स्पोर्ट्स मिनिस्टर का इस्तीफा

- स्टेडियम सीईओ को हटाया गया, एसआईटी करेगी जांच
- फुटबॉलर 22 मिनट रुके थे, नाराज फैंस ने तोड़फोड़ की थी

मेसी विवाद

कोलकाता। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में फुटबॉलर लियोनल मेसी के कार्यक्रम के दौरान हुई अव्यवस्था और तोड़फोड़ के मामले में पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 13 दिसंबर की घटना के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस्तीफे की पेशकश की थी, जिसे मंगलवार को स्वीकार कर लिया गया।

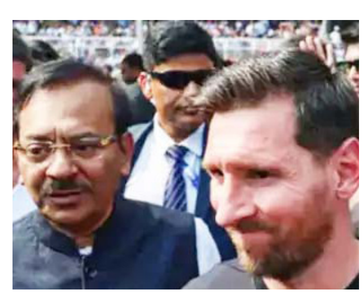

कार्यक्रम में अव्यवस्था, फैंस का गुस्सा

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी 13 दिसंबर को तीन दिन के इंडिया टूर के तहत कोलकाता पहुंचे थे। सुबह उन्होंने अपने 70 फीट ऊंचे स्टैच्यू का वर्चुअल उद्घाटन किया। सॉल्ट लेक स्टेडियम में उन्हें करीब एक घंटे रुकना था, लेकिन वे सिर्फ 22 मिनट बाद ही लौट गए। इससे नाराज फैंस ने स्टेडियम में कुर्सियां फेंककर तोड़फोड़ की, जिससे भगदड़ जैसे हालात बन गए थे।

शो-कॉज नोटिस जारी

घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने बिधाननगर पुलिस कमिश्नर, डीजीपी और खेल विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिन्हा को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय SIT गठित की गई है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही सॉल्ट लेक स्टेडियम (VYBK) के CEO डी.के. नंदन की सेवाएं तत्काल प्रभाव से वापस ले ली गई हैं।

2014 से अब तक 23,926 घुसपैठिए गिरफ्तार

- भारत-चीन सीमा पर एक भी मामला नहीं
- सरकार ने संसद में दी जानकारी

एजेंसी । नई दिल्ली

सरकार ने संसद को एक अहम जानकारी देते हुए बताया है कि 2014 से अब तक पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल और भूटान की सीमाओं पर सुरक्षा बलों ने कुल 23,926 घुसपैठियों को पकड़ा है। साथ ही यह जानकारी भी सामने आई है कि इस दौरान भारत-चीन सीमा पर घुसपैठ का एक भी मामला सामने नहीं आया है। लोकसभा में पेश किए गए आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा घुसपैठिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर पकड़े गए हैं।

जनवरी से नवंबर 2025 तक 3120 घुसपैठिए गिरफ्तार

साल दर साल के आंकड़े बताते हैं कि भारत की पश्चिमी और पूर्वी सीमाओं पर घुसपैठ की कोशिशें लगातार हो रही हैं, लेकिन उत्तरी सीमा यानी चीन के साथ वाली सीमा पर कोई घुसपैठ दर्ज नहीं हुई है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने तृणमूल कांग्रेस के 2 सांसदों, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया और शर्मिला सरकार के सवाल के लिखित जवाब में ये आंकड़े दिए। उन्होंने बताया कि 2014 से 2024 तक भारत की बांग्लादेश, म्यांमार, पाकिस्तान और नेपाल-भूटान सीमाओं पर कुल 20,806 घुसपैठिए पकड़े गए। वहीं, जनवरी से नवंबर 2025 तक इन सीमाओं पर 3,120 घुसपैठिए गिरफ्तार किए गए।

सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां भारत-बांग्लादेश सीमा पर

आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा 18,851 गिरफ्तारियां भारत-बांग्लादेश सीमा पर हुईं। भारत-म्यांमार सीमा पर 1,165, भारत-पाकिस्तान सीमा पर 556 और भारत-नेपाल-भूटान सीमाओं पर 234 घुसपैठिए पकड़े गए। 2025 के जनवरी से नवंबर तक के महीनेवार आंकड़ों में भी यही ट्रेंड दिखता है। इस साल भारत-बांग्लादेश सीमा पर 2,556, भारत-म्यांमार सीमा पर 437, भारत-पाकिस्तान सीमा पर 49 और भारत-नेपाल-भूटान सीमाओं पर 78 घुसपैठिए पकड़े गए। सरकार ने दोहराया कि 2025 में भी भारत-चीन सीमा पर घुसपैठियों की कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

'हाई कमान जब तक चाहेगा, मैं तब तक मुख्यमंत्री रहूंगा'

बेंगलुरु। कर्नाटक के कांग्रेस में सत्ता की खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया एक बार फिर दोहराया कि वह तब तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे जब तक कांग्रेस हाई कमान चाहेगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को पांच साल तक शासन करने का जनादेश मिला है और 2028 के विधानसभा चुनावों के बाद भी वह सत्ता में वापस आएगी। सिद्धारमैया ने विधानसभा में कहा, 'मैं यह बहुत साफ कह रहा हूं। हमारे पास हाई कमान है। हम उनके फैसले का पालन करते हैं। हाई कमान जो भी कहेगी, वही अंतिम होगा।' मामले में विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान नेतृत्व का मुद्दा उठा। इस बीच कुनिगल से कांग्रेस विधायक एचडी रंगनाथ ने आरोप लगाया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के किसानों को जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (डीसीसी बैंक) से शॉर्ट-टर्म लोन नहीं मिल रहा है, जबकि पड़ोसी मधुगिरी निर्वाचन क्षेत्र के किसानों को 100 करोड़ रुपये के शॉर्ट-टर्म लोन मिले हैं। रंगनाथ, जो उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के वफादार हैं और उन्हें अगला मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के किसानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। बता दें कि केएन राजन्ना, जिन्हें सिद्धारमैया का वफादार माना जाता है, मधुगिरी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

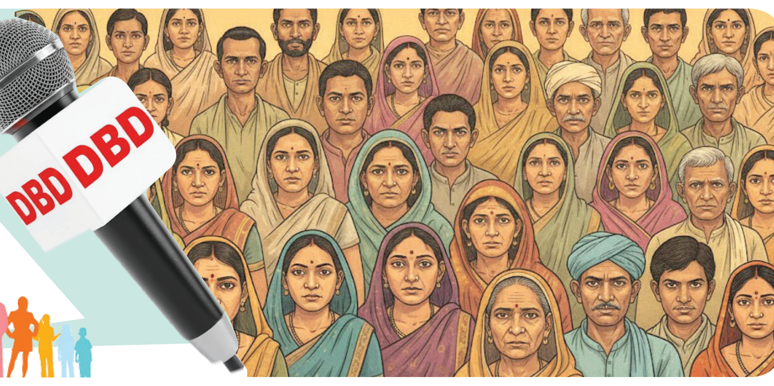

कोने-कोने से...

कोल्हापुर, इचलकरंजी में वंचित बहुजन अघाड़ी

कोल्हापुर। मौजूदा पार्टियों के काम न करने की वजह से वंचित बहुजन अघाड़ी राज्य में 29वें म्युनिसिपल चुनाव लड़ेगी। वंचित पश्चिमी महाराष्ट्र में कोल्हापुर और इचलकरंजी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए अपने उम्मीदवार उतारेगी और बुधवार को पार्टी अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर की मौजूदगी में वंचित बहुजन अघाड़ी कोल्हापुर में म्युनिसिपल चुनाव का बिगुल बजाएगी। यह जानकारी कोल्हापुर मेट्रोपॉलिटन सिटी अध्यक्ष अरुण सोनवणे ने कोल्हापुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। अब पॉलिटिकल सेक्टर का ध्यान इस बात पर है कि क्या वंचित बहुजन अघाड़ी को BJP, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी, शिवसेना और कांग्रेस पार्टियों से एक जैसी सोच वाली पार्टी के तौर पर गठबंधन में जगह मिलेगी।

इच्छुक उम्मीदवारों के इंटरव्यू शुरू

नागपुर। राज्य में नगर निगम चुनावों की घोषणा होते ही भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियों में बढ़त ले ली है। नागपुर नगर निगम के लिए इच्छुक उम्मीदवारों के इंटरव्यू आज से शुरू हो गए हैं। इस प्रोसेस के ज़रिए, उम्मीदवारों का फ़ाइनल सिलेक्शन पार्टी संगठन, सर्वे रिपोर्ट और महायुति की पॉलिसी के आधार पर किया जाएगा, ऐसा बीजेपी नागपुर शहर के प्रेसिडेंट दयाशंकर तिवारी ने बताया।

बीजेपी ने चार पदाधिकारियों को छह साल के लिए निकाला

मुर्तिजापुर। भारतीय जनता पार्टी ने मुर्तिजापुर के चार पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इन पर अकोला जिले के मुर्तिजापुर नगर परिषद चुनाव में BJP उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार करने और पार्टी विरोधी गतिविधियां करने का आरोप है। BJP जिला अध्यक्ष संतोष शिवरकर ने बताया है कि संबंधित पदाधिकारियों को छह साल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया है। इस कार्रवाई में मंडल कार्यकारी उपाध्यक्ष कमलाकर गावंडे, BJP जिला उपाध्यक्ष अमोल पिंपले, BJP मंडल अध्यक्ष श्रीकांत रामेकर और नमामि गंगे अभियान प्रमुख नितिन भटकर शामिल हैं। बताया गया है कि BJP उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार करने और पार्टी अनुशासन तोड़ने पर यह कार्रवाई की गई है।

जेन जी

घोषणाएं बहुत होती हैं, लेकिन ज़मीन पर काम दिखना चाहिए। जो उम्मीदवार इलाके की रोज़मर्रा की समस्याएं सुलझाएगा, वही मेरा वोट पाएगा।

– अविनाश तिवारी, मुंबई

टैक्स हम देते हैं, लेकिन काम समय पर नहीं होता। इस चुनाव में मैं ऐसे प्रतिनिधि को चुनूंगा जो जवाबदेह हो और जनता से सीधे संवाद करे।

– रोहित दुबे, डोंबिवली

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विश्लेषण बीएमसी चुनाव

कई दलों का भविष्य दांव पर

- ढाकरे ब्रांड की अग्निपरीक्षा
- भाजपा की मुंबई पर पूर्ण नियंत्रण की रणनीति

धीरज सिंह । मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव 2026 की अधिसूचना के साथ ही महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर उफान पर है। लगभग चार वर्षों के लंबे अंतराल के बाद होने जा रहे ये चुनाव केवल नगर निगम तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सत्ता संघर्ष, राजनीतिक वंशवाद, टूटे रिश्तों और नए समीकरणों की निर्णायक लड़ाई साबित होंगे। 15 दिसंबर 2025 को राज्य चुनाव आयोग ने घोषणा की कि 15 जनवरी 2026 को राज्य की 29 नगर निगमों के चुनाव कराए जाएंगे, जिनमें बीएमसी भी शामिल है। इन चुनावों में कुल 2,869 सीटों पर 3.48 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। एशिया की सबसे समृद्ध मानी जाने वाली बीएमसी, जिसका वार्षिक बजट करीब 74,427 करोड़ रुपये है, इस बार केवल मुंबई की सत्ता नहीं बल्कि राज्य और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय कर सकती है।

ठाकरे परिवार की साख दांव पर

बीएमसी को लंबे समय तक शिवसेना की राजनीतिक रीढ़ माना जाता रहा है। अब यह चुनाव तय करेगा कि मुंबई की जनता के दिलों में ठाकरे परिवार के लिए अब भी कितनी जगह बची है। इस मुकाबले में मुख्य रूप से महायुति (भाजपा–शिंदे शिवसेना–अजित पवार एनसीपी) और महाविकास आघाड़ी (उद्धव शिवसेना–शरद पवार एनसीपी–कांग्रेस) आमने-सामने हैं। हालांकि कांग्रेस के अलग राह अपनाने के संकेतों और राज ठाकरे की संभावित एंट्री ने मुकाबले को और पेचीदा बना दिया है। संजय राउत के अनुसार, उद्धव और राज ठाकरे की संभावित युति की औपचारिक घोषणा जल्द हो सकती है, जो मराठी राजनीति में बड़ा संकेत मानी जा रही है। 1960 के दशक में बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने मराठी अस्मिता के मुद्दे पर मुंबई में मजबूत पकड़ बनाई और 1995 से बीएमसी पर लगभग निरंतर वर्चस्व कायम रखा। 2017 में अविभाजित शिवसेना और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर हुई थी, लेकिन 2019 और फिर 2022 के राजनीतिक घटनाक्रम ने पार्टी को दो हिस्सों में बांट दिया। अब बीएमसी चुनाव इस विभाजन की असली कसौटी हैं—यह तय होगा कि 'असली शिवसेना' किसके साथ है।

शिंदे के राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई

2022 में शिवसेना के टूटने के बाद एकनाथ शिंदे असली शिवसेना के सर्वेसर्वा बन चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में एकनाथ शिंदे की पार्टी ने शिवसेना यूबीटी से बेहतर परफार्म करके यह साबित कर दिया था कि वे शिवसेना के असली उत्तराधिकारी हैं। पर जिस तरह बीएमसी चुनावों में ठाकरे बंधु साथ आ रहे हैं उससे लड़ाई टफ हो गई है। अगर एकनाथ शिंदे बीएमसी चुनावों में अपना कमाल नहीं दिखा पाते हैं तो जाहिर है कि शिवसेना की लीगेसी उनके हाथ से फिसल सकती है। एकनाथ शिंदे खुलकर बाला साहब ठाकरे के हिंदूवादी नीतियों पर काम कर रहे हैं। वे अपने द्वारा महायुति सरकार के मुंबई के विकास के लिए किए कामों को गिनाते हैं। अगर शिंदे बीएमसी चुनावों में अपनी स्ट्राइक रेट लोकसभा और विधानसभा चुनावों वाली ही रखते हैं तो जाहिर है कि वे बाल ठाकरे के असली वारिस साबित होंगे।

कांग्रेस अकेले चुनाव लड़कर खुद को साबित करेगी

कांग्रेस के लिए बीएमसी चुनाव रिवाइवल का मौका है. पार्टी जिस हौसले के साथ अकेले चुनाव लड़ने का मन बनाया है वो हैरान करने वाला नहीं है. महाराष्ट्र में कांग्रेस के कोर वोटर्स अभी भी बड़े पैमाने पर है. बीएमसी चुनावों में कांग्रेस को यह भी पता चलेगा कि मुंबई के मुसलमान कांग्रेस के साथ जाते हैं या शिवसेना यूबीटी का हाथ पकड़ते हैं. कहा जा रहा है कि खुद राहुल गांधी मुंबई में कैंपेन करेंगे, जो पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए उत्साहित करने की बात है. कांग्रेस अकेले लड़ने की सोच रही है, पर एमवीए नेताओं से अभी भी बातचीत जारी है. कांग्रेस राज्य में सिविक गवर्नेंस फेल्योर, इंफ्रास्ट्रक्चर क्रंच और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर फोकस कर रही है. अगर कांग्रेस मुंबई में अच्छा प्रदर्शन करती है तो यह महाराष्ट्र में उनके बेस मजबूत करेगा और भविष्य के नींव तैयार करेगा.

महायुति की महत्वाकांक्षा, बीजेपी का विस्तार

बीजेपी के लिए बीएमसी चुनाव महाराष्ट्र में डोमिनेंस का दांव है। 2017 में भारतीय जनता पार्टी शिवसेना के करीब पहुंची, लेकिन अब महायुति के साथ पार्टी चाहेगी को बीएमसी को अपने पूर्ण नियंत्रण में कर ले। 2024 विधानसभा चुनावों में महायुति की जीत ने उन्हें आत्मविश्वास दिया है। बीजेपी मुंबई को ट्रिपल इंजन सरकार का हिस्सा बनाना चाहेगी। जाहिर है कि केंद्र, राज्य और नगर निगम उनके नियंत्रण में होंगे तो बहुत कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में आसानी होगी। दूसरे अगर बीजेपी हारती है तो यह साफ हो जाएगा कि पार्टी का का शहरी वोट बैंक दरक रहा है।उत्तर भारतीय, गुजराती और हिंदुत्व समर्थक बीजेपी के लिए बीएमसी पर अधिकार करने के सारथी बन सकते हैं।

मुसलमान कहां जाएंगे?

शिवसेना (UBT) आज की राजनीति में मुंबई वो सब कर रही है जो उसकी सहयोगी पार्टी कांग्रेस मुसलमानों के ध्यान में रखकर करती रही है। जिस तरह शिवसेना ने तमिलनाडु के एक मंदिर के मुद्दे पर जज पर महाभियोग की मांग में शामिल हुई उससे बाल ठाकरे के समर्थक उनसे दूरी बना सकते हैं। पर आज की तारीख में उद्धव मुसलमानों के साथ हर कदम पर ताल मिला रहे हैं।जाहिर है कि मुसलमानों की हमदर्दी उन्हें मिल रही है। पर मुसलमानों के लिए धर्मसंकट तब खड़ा होगा जब कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) आमने-सामने होंगे।

मुंबई में 1.03 करोड़ से अधिक मतदाता तय करेंगे सत्ता

कुल मतदाता	1 करोड़ 3 लाख 44 हजार 315
पुरुष मतदाता	55 लाख 16 हजार 707
महिला मतदाता	48 लाख 26 हजार 509
ट्रांसजेंडर	1099

अधिकांश मतदाता

कुर्ला एल वार्ड	वार्ड संख्या 164 – 62,945
अंधेरी पूर्व	वार्ड संख्या 66 – 61,799
अंधेरी पूर्व	वार्ड संख्या 84 – 57,261

कम मतदाता

सायन कोलीवाड़ा	वार्ड क्रमांक 176 - 30,748
सायन कोलीवाड़ा	वार्ड क्रमांक 176 - 30,786
दहिसर – वार्ड नंबर 1	31,961

महिला मतदाताओं की संख्या में कमी

सायन कोलीवाड़ा	वार्ड क्रमांक 174 - 12,604
गोरेगांव	वार्ड संख्या – 13,222

अधिकांश महिला मतदाता

बोरीवली	र्ड क्रमांक 15 - 30,088
अंधेरी पश्चिम	– वार्ड संख्या 66 – 30,047

227 वार्डों की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित

बीएमसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, मुंबई में कुल 1 करोड़ 3 लाख मतदाता हैं, जिनमें से 53 प्रतिशत पुरुष और 47 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। सबसे अधिक मतदाता चांदीवली क्षेत्र के एक वार्ड में हैं, जबकि सबसे कम मतदाता सायन कोलीवाड़ा क्षेत्र में हैं। मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए मतदाता सूची सोमवार को अंतिम रूप दे दी गई। कुल 227 वार्डों की अंतिम मतदाता सूची वेबसाइट पर प्रकाशित की गई। मुंबई में कुल मतदाताओं की संख्या 1 करोड़ 3 लाख है। राज्य निर्वाचन आयोग ने 1 जुलाई तक की मतदाता सूची को स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मान्य माना है। स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अलग से मतदाता सूची तैयार नहीं की जाती है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की गई मतदाता सूची का ही उपयोग किया जाता है। हालांकि, 1 जुलाई तक की विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार सूची का मसौदा वार्डवार सूची में विभाजित करके प्रकाशित किया गया था। इस पर आपत्तियों और सुझावों के बाद, अब इस सूची को अंतिम रूप दिया गया है। मतदान केंद्रवार सूची प्रकाशित करने के लिए 27 दिसंबर तक का समय दिया गया है।

वार्ड संख्या 164 में सबसे अधिक मतदाता

मुंबई में कुल 1 करोड़ 3 लाख मतदाता हैं। इनमें से 55 लाख पुरुष मतदाता हैं, जबकि 48 लाख महिला मतदाता हैं। पूरे मुंबई में ट्रांसजेंडर मतदाताओं की कुल संख्या मात्र 1099 है। सबसे अधिक ट्रांसजेंडर मतदाता मलाड के वार्ड संख्या 34 में हैं, जिनकी संख्या 281 है। इनके बाद घाटकोपर के वार्ड संख्या 124 में 111 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। चांदिवली के वार्ड संख्या 164 में सबसे अधिक मतदाता हैं। सायन कोलीवाड़ा के वार्ड संख्या 176 में सबसे कम मतदाता हैं। बोरीवली के वार्ड संख्या 15 में महिला मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है।

खबर चुनावी है उम्मीदवारों के इंटरव्यू की तारीखें घोषित

सपा ने बीएमसी चुनाव 2026 की तैयारी तेज की, पार्लियामेंट्री बोर्ड का गठन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

समाजवादी पार्टी (सपा) ने आगामी बीएमसी चुनाव 2026 के लिए रणनीतिक तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आज़मी के नेतृत्व में मुंबई प्रदेश के लिए पार्लियामेंट्री बोर्ड का गठन किया गया है। यह बोर्ड आगामी चुनाव में उम्मीदवारों के चयन, टिकट वितरण और रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभाएगा।

पार्लियामेंट्री बोर्ड में अनुभवी चेहरों को तरजीह

सपा ने अपने पार्लियामेंट्री बोर्ड में अनुभवी और सक्रिय पदाधिकारियों को शामिल किया है। बोर्ड में अबू आसिम आज़मी (विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष), यूसुफ इब्राहानी (कार्यकारी अध्यक्ष, मुंबई), रईस शेख (विधायक एवं महासचिव, मुंबई), कपिल पाटिल (विशेष आमंत्रित सदस्य), मेराज सिद्दीकी (मुख्य महासचिव, मुंबई), अजय यादव (उपाध्यक्ष, मुंबई) और कुबेर मौर्या (महासचिव, मुंबई) शामिल हैं।

19 और 21 दिसंबर को लिए जाएंगे साक्षात्कार

सपा ने इच्छुक उम्मीदवारों के इंटरव्यू की तारीखें 19 और 21 दिसंबर, 2025 घोषित की हैं। इंटरव्यू का स्थान और समय जल्द ही साझा किया जाएगा। पार्टी ने सभी इच्छुक उम्मीदवारों से इन तिथियों पर उपस्थित होने की तैयारी करने का आग्रह किया है।

टिकट वितरण और चुनाव रणनीति पर निर्णय

इस बोर्ड के माध्यम से सपा आगामी बीएमसी चुनाव के लिए टिकट वितरण और चुनाव रणनीति को अंतिम रूप देगी। बोर्ड की बैठकों में उम्मीदवारों का मूल्यांकन, उनकी क्षमता और क्षेत्रीय समीकरणों के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।